दैनिक

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

आरएनआई क्र.MPHIN/2012/40924

क्षितिज किरण

प्रेरणापुंज- विचित्र कुमार सिन्हा -- ब्यूरो प्रमुख भोपाल- विलक्षण सक्सेना

जबलपुर, होशंगाबाद एवं सीहोर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र निर्भीक समाचार-पत्र

प्रधान सम्पादक-कृष्णकान्त सक्सेना वर्ष-14, अंक -54 जबलपुर, बुधवार 26 मार्च 2025 कीमत-70 पैसे पृष्ठ-8 संपादक अरुण श्रीवास्तव

जब राज्यसभा में अमित शाह ने विपक्ष पर कसा तंज

15-20 साल तक किसी का नंबर नहीं लगने वाला

नई दिल्ली-(आरएनएस)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आपदा प्रबंधन (संशोधन) विधेयक, 2024 पर राज्यसभा में चर्चा का जवाब दिया। उन्होंने कहा कि कुछ सदस्यों ने सवाल उठाया कि संशोधन की क्या जरूरत है। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि अगर समय रहते किसी इमारत की मरम्मत नहीं की जाती है तो वह गिर जाती है। विपक्ष पर तंज सकते हुए शाह ने कहा कि उन्हें लगता है कि शायद वे आकर इसे बदल देंगे लेकिन अगले 15-20 साल तक किसी की बारी नहीं आएगी। जो करना है, हमें करना है।

शाह ने कहा कि 2005 में पहली बार आपदा प्रबंधन अधिनियम लागू किया गया था। इसके तहत का गठन किया गया। अब चिंता जताई जा रही है कि सत्ता का केंद्रीकरण हो जाएगा। अगर आप पूरे विधेयक को ध्यान से पढ़ेंगे तो क्रियान्वयन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी जिला आपदा प्रबंधन की है जो राज्य सरकार के अधीन है। इसलिए संघीय ढांचे को कहीं भी नुकसान पहुंचाने की संभावना नहीं है। शाह ने दावा किया कि किसी राज्य को कम मदद नहीं मिलेगी। राज्यसभा में अमित शाह ने कहा कि आपदा का सीधा संबंध जलवायु परिवर्तन से है। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर भी प्लानिंग की अपेक्षा है। उन्होंने यह भी कहा कि आपदा प्रबंधन केंद्र, राज्यों दोनों का विषय है। उन्होंने कहा कि हम सभी को यह स्वीकार करना होगा कि पिछले 10 वर्षों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में जो परिवर्तन हुए हैं, उससे हम राष्ट्रीय ही नहीं, क्षेत्रीय और वैश्विक शक्ति के रूप में उभरे हैं। यह विधेयक भारत की सफलता की कहानी को लंबे समय तक कायम रखने के लिए है। कोई मेरी बात को गलत न समझे, मैं सरकार की सफलता की कहानी नहीं, बल्कि भारत की सफलता की कहानी कह रहा हूँ।

हरिद्वार में 5 मदरसों को सील किया गया, नहीं थे रजिस्टर्ड

उत्तराखंड- उत्तराखंड के हरिद्वार में आज जिला प्रशासन ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 5 गैर रजिस्टर्ड मदरसों को सील कर दिया है। हरिद्वार की तहसीलदार प्रियंका रानी ने बताया कि हरिद्वार में स्थित इन मदरसों का टीम ने निरीक्षण किया और पाया कि ये सभी रजिस्टर्ड नहीं थे। इसके बाद पांचों मदरसों को अफसरों ने सील कर दिया। सरकार की ओर से जारी एक संदेश में कहा अवैध मदरसों, अनधिकृत धार्मिक स्थलों और अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। उत्तर प्रदेश की सीमा से लगे शहरों में अपंजीकृत मदरसों की सूचना मिली है और ऐसे अनधिकृत संस्थान गंभीर सुरक्षा चिंता का विषय हैं।

राबड़ी देवी पर नीतीश की तीखी टिप्पणी से भड़कीं लालू की बेटी रोहिणी आचार्य

अरे तू चुप्प रहअ न.. जादा मुँह मत फाड़अ...

बिहार (आरएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और लालू यादव के परिवार के बीच तीखी नोकझोंक लगातार देखने को मिल रही है। नीतीश कुमार और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बीच की दिनों से वार-पलटवार का दौर जारी है। इसी क्रम में राबड़ी देवी पर नीतीश कुछ ऐसा बोल देते है जो ठीक नहीं लगता है। अब उनकी बेटी रोहिणी आचार्य खुलकर सामने आईं है और नीतीश कुमार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने भोजपुरी में एक्स पर लिखा कि अरे तू चुप्प रहअ न.. जादा मुँह मत फाड़अ। रोहिणी आचार्य ने लिखा कि अरे तू चुप्प रहअ न .. जादा मुँह मत फाड़अ .. तोहरा तअ बोले के मुँह नय हो.. तू ओकरे गोदी में जा बईठलअ जे तोहर डीएनए में खोट बतईल को .. आऊर तू तअ सही हस्बेंडो न बन पईलअ , तू तअ जेकर-तेकर नाम पर ट्रेन चलाबे के फेरा में अपन परिवार नाश लेलअ .. तू तअ जोगाड़ के दम पर कुर्सी पर चमोकन माफिक चिपकल हअ, तीन नंबर के पार्टी के तीन नंबरिया जोगाडू नेता..। रोहिणी ने आगे लिखा कि लाल रंग देख कर सांढ़ भड़क जाता है ये पहले से सुना और जाना था, मगर आज जाना कि दिमागी रोगी हरा रंग देख कर भड़क - बौर्रा जाता है .. हद है ..। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और विधान परिषद की नेता राबड़ी देवी के बीच मंगलवार को विधानसभा में आरक्षण के मुद्दे पर फिर तीखी नोकझोंक हुई। गौरतलब है कि नीतीश कुमार की यह नोकझोंक तब हुई जब आरजेडी एमएलसी पार्टी के झंडे के रंग हरे रंग के बैज पहनकर सदन पहुंचे और नारे लगाए कि राज्य में वंचित जातियों के लिए कोटा तेजस्वी सरकार द्वारा बढ़ाया गया था

राहुल-खड़गे के नेतृत्व में दिल्ली में हुई बड़ी बैठक

बिहार चुनाव से पहले कांग्रेस संगठन को नई धार देने की कोशिश

नई दिल्ली-(आरएनएस)। बिहार में चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है। पार्टी के शीर्ष नेताओं ने मंगलवार को बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लिया और चुनाव से पहले पार्टी के रोडमैप पर मंथन किया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई बैठक में पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी, बिहार कांग्रेस प्रमुख राजेश कुमार और उनके पूर्ववर्ती अखिलेश प्रसाद सिंह, एआईसीसी के बिहार प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, वरिष्ठ नेता मीरा कुमार, तारिक अनवर शामिल हुए। सूत्रों ने बताया कि इस दौरान विचारों का खुलकर आदान-प्रदान हुआ, क्योंकि राज्य के नेताओं ने नेतृत्व को जमीनी हालात से अवगत कराया और उन क्षेत्रों की ओर इशारा किया, जहां चुनावों से पहले मजबूती की जरूरत है। यह बैठक दलित नेता राजेश कुमार को पार्टी की राज्य इकाई का नया अध्यक्ष बनाए जाने के कुछ दिनों बाद हुई है। औरंगाबाद जिले के कुटुम्बा से दूसरी बार विधायक चुने गए 56 वर्षीय खड़गे ने राज्यसभा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह की जगह ली है। राजेश कुमार से मुलाकात के बाद खड़गे ने एक्स पर हिंदी में एक पोस्ट में कहा था, बिहार बदलाव के लिए तरस रहा है। बिहार के युवा रोजगार चाहते हैं, बिहार के लोग वास्तविक सामाजिक न्याय की उम्मीद में इंतजार कर रहे हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ बिहार सहयोगी राजद के करीबी माने जाने वाले उच्च जाति के नेता सिंह की जगह राजेश कुमार को अध्यक्ष बनाया जाना इस पुरानी पार्टी की ओर से एक रणनीतिक बदलाव को दर्शाता है, जो गांधी के संविधान बचाओ और राष्ट्रव्यापी जाति सर्वेक्षण की मांग के दोहरे नारे का उपयोग करते हुए समाज के वंचित वर्गों तक आक्रामक तरीके से पहुंचने की कोशिश कर रही है।

राज्य सरकार हर कदम-हर समय नागरिकों के साथ खड़ी है-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (आरएनएस)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कुष्ठ रोगियों के साथ अपना जन्मदिन मनाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गांधीनगर स्थित महात्मा गांधी कुष्ठ आश्रम पहुंच कर कुष्ठ रोगियों पर पुष्प वर्षा के साथ अभिवादन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कुष्ठ रोगियों को भोजन परोसा तथा फल, खाद्य सामग्री, वस्त्र और दैनिक उपयोग की सामग्री भेंट की। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, वरिष्ठ प्रतिनिधि श्री राहुल कोठारी,समाज सेवी तथा कुष्ठ रोगियों के परिजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आश्रम में उपस्थित मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा में कहा कि राज्य सरकार नागरिकों के हर प्रकार के कष्ट में साथ खड़ी है। ऐसे लोगों के बीच आकर एक प्रकार से आत्मीय सुख प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश को विकास के पथ पर अग्रसर रखते हुए आगे लेकर जाना है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में बड़ा निवेश मिला है और सरकार ने संभागीय स्तर पर औद्योगिक ईकाइयों के भूमि-पूजन की शुरुआत कर दी है। पहले भिंड, मुरैना और ग्वालियर में 18 औद्योगिक ईकाइयों के भूमि-पूजन किया। बुधवार को भी उज्जैन में विभिन्न औद्योगिक ईकाइयों का भूमि-पूजन हो रहा है।

जनता के और करीब आई राज्य सरकार, सीएम मोहन यादव ने लॉन्च किया नया एप, जानें आपको क्या होगा फायदा?

भोपाल (आरएनएस)। मध्यप्रदेश सरकार अब जनता के और करीब आ गई है। जनता सरकार से जुड़ी खबरों, कैबिनेट के फैसलों, आर्टिकल और फोटो सहित कई जानकारियों को एक क्लिक में हासिल कर सकेगी। दरअसल, प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 25 मार्च को जनसंपर्क विभाग यानी का मोबाइल एप लॉन्च किया।

जानिये इस ऐप की खासियतें- इस एप के जरिये सरकार जनता के बीच और आसानी से संवाद कर सकेगी। सरकार लोगों को एक पल में यह बता सकेगी कि राज्य के विकास के लिए उसकी प्लानिंग क्या है। यह एप एंड्रॉयड बेस्ड है। इसे गूगल के प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इसे डाउनलोड करने के लिए गूगल प्ले स्टोर पर जनसंपर्क एमपी लिखना होगा। गौरतलब है कि यह एप अपने आप में बेहद खास है। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कार्यक्रमों का सीधा प्रसारण देखा जा सकेगा। मुख्यमंत्री-मंत्रीगणों से जुड़े समाचार सिंगल क्लिक पर हासिल किए जा सकेंगे। इस एप पर समाचार, फोटो गैलरी, वीडियो गैलरी, मंत्री परिषद के निर्णय, आलेख, मंत्रिमंडल की सूची, कमिश्नर-कलेक्टर की सूची, मध्यप्रदेश के शासकीय विभाग, उनकी वेबसाइट की लिंक और जिलों के समाचार आसानी से मिलेंगे।

अब मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री ने अपनी ही सरकार को घेरा

ग्वालियर को नहीं मिल रहे उद्योग, सिंधिया के दरवाजे पर बैठूंगा

भोपाल (आरएनएस)। भाजपा विधायकों द्वारा अपनी ही सरकार को घेरने का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि अब मंत्री द्वारा सरकार की औद्योगिक व्यवस्था पर सवाल उठाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा है कि ग्वालियर को उद्योग नहीं मिल रहे हैं। सिंधिया के दरवाजे पर बैठूंगा।

बकौल तोमर, मैंने केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से कहा है कि ग्वालियर में पुनः उद्योग स्थापित हो। इसके लिए आप प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलें। साथ में हमें भी ले चलें। ग्वालियर को पुनः औद्योगिक नगरी बनाने के लिए हमें काम करना है। जरूरत पड़ी तो मैं सिंधिया के दरवाजे पर बैठूंगा।

यह पहला मौका नहीं जब भाजपा के किसी जनप्रतिनिधि ने अपनी ही सरकार पर सवाल उठाए हो। इसके पहले भी कई बार विधायकों द्वारा सरकार को घेरने का प्रयास किया गया।

हाल ही में भाजपा विधायक चिंतामणि मालवीय ने मुख्यमंत्री के गृह शहर उज्जैन में सिंहस्थ क्षेत्र की किसानों की भूमि पर स्थायी अधिग्रहण कर साजिश पूर्ण बिल्डरों और कॉलोनाइजरों को लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया था।

पार्टी ने उन्हें नोटिस जारी किया है। इसके पहले मऊगंज जिले के विधायक प्रदीप पटेल पुलिस अधीक्षक कार्यालय मऊगंज पहुंचकर गुंडों से रक्षा करने की बात कहते हुए एसपी और एडिशनल एसपी के सामने दंडवत हो गए थे। पुलिस ने उनसे पूछा कि क्या समस्या है, इस पर विधायक बोले- समस्या कुछ नहीं है, गुंडों से आप मुझे मरवा दीजिए। इसके तत्काल बाद विधायक एएसपी के सामने दंडवत हो गए, फिर तुरंत ही उठकर चले गए। भाजपा विधायक अजय विश्नोई ने भी उस समय मऊगंज विधायक पटेल के शराब माफिया वाले बयान का समर्थन करते हुए एक्स पर लिखा था कि पूरी सरकार ही शराब ठेकेदारों के आगे दंडवत है।

सरकार कर रही रीजनल कॉन्क्लेव से निवेश बढ़ाने का प्रयास

मप्र सरकार संभागवार निवेश लाने का सतत प्रयास कर रही है। इस दिशा में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की पहल पर ग्वालियर में रीजनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव (आरआईसी) भी कराया गया था। 28 अगस्त 2024 को ग्वालियर में हुए कॉन्क्लेव में आठ हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव और 35 हजार रोजगार सृजन का दावा किया गया।

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए

दंतेवाड़ा - छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में तीन नक्सली मारे गए। यह ताजा मुठभेड़ सुरक्षा बलों द्वारा बीजापुर और कांकेर जिलों में दो अलग.अलग मुठभेड़ों में 30 नक्सलियों को मार गिराने के कुछ दिनों बाद हुई है। बस्तर पुलिस के अनुसारए सुरक्षा बलों की एक टीम ने दंतेवाड़ा.बीजापुर के अंतर.जिला वन सीमा क्षेत्र में माओवादियों की मौजूदगी के बारे में विशेष खुफिया जानकारी के आधार पर माओवादी विरोधी अभियान शुरू किया। सुबह करीब 8 बजे माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुईए जिसमें तीन माओवादी मारे गए। घटनास्थल से विस्फोटकों के अलावा हथियारों का एक बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया।

100 जगह खुलेगी अटल कैंटीन, पानी के लिए 9000 करोड़, 10 लाख का हेल्थ बीमा, बजट की 10 बड़ी बातें

नई दिल्ली-(आरएनएस)। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आज अपना पहला बजट पेश किया। पांच दिवसीय सत्र 24 मार्च को सुबह पारंपरिक खीर समारोह के साथ शुरू हुआ। इस बजट से फरवरी में दिल्ली चुनाव के दौरान किए गए अपने वादों को पूरा करने के लिए भाजपा की प्रतिबद्धता को दर्शाने की उम्मीद है। आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा महिला सम्मान योजना की पेशकश के साथ, भाजपा अपनी खुद की महिला समृद्धि योजना के साथ जवाब देने के लिए तैयार है, जिसमें राजधानी में महिलाओं को 2,500 रुपये देने का वादा किया गया है। चुनाव के दौरान भाजपा के कल्याणकारी वादों का मुख्य फोकस स्वास्थ्य सेवा था। जहाँ आप ने 60 वर्ष से अधिक आयु के नागरिकों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान करने के लिए संजीवनी योजना शुरू की, वहीं भाजपा ने किफायती स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए आयुष्मान भारत योजना पर ध्यान केंद्रित किया। इसके अतिरिक्त, पार्टी ने शिक्षा क्षेत्र में कई वादे किए, साथ ही रसोई गैस सिलेंडर से संबंधित लाभ प्रदान करने के वादे भी किए। स्वास्थ्य और शिक्षा भाजपा सरकार के एजेंडे में केंद्रीय स्थान पर बने रहेंगे, और आगामी बजट में इन क्षेत्रों के लिए

अपेक्षित आवंटन किया जाएगा। सीएम रेखा गुप्ता ने पिछली आप सरकार के कार्यकाल पर एक श्वेत पत्र पेश करने की योजना की भी घोषणा की, जिसमें इसके प्रदर्शन की व्यापक समीक्षा की जाएगी। उन्होंने खुलासा किया कि सभी सरकारी विभागों का आर्थिक सर्वेक्षण जल्द ही पेश किया जाएगा, लेकिन विभिन्न विभागों में अभी भी ऑडिट चल रहे हैं। चल रहा बजट सत्र, जो 28 मार्च को समाप्त होगा, संभवतः नई सरकार की योजनाओं और आगे चलकर राजधानी के वित्त का प्रबंधन करने के उसके लक्ष्य के बारे में अधिक जानकारी प्रदान करेगा।रेखा गुप्ता ने कहा कि बीजेपी सरकार ने अपने बजट में आम आदमी पार्टी की सरकार के 15000 करोड़ रुपये की तुलना में 28000 करोड़ रुपये कैपिटल एक्सपेंडिचर के लिए आवंटित किया

मुस्लिम वोटर्स पर बीजेपी की नजर, ईद के मौके पर 32 लाख गरीब मुसलमानों को देगी सौगात-ए-मोदी

नई दिल्ली-(आरएनएस)। ईद के मौके पर बीजेपी देशभर के 32 लाख वंचित मुसलमानों को ज़रूरी सामान से भरी किट बांटेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पर इन किटों को सौगात-ए-मोदी नाम दिया गया है। भाजपा के सौगात-ए-मोदी कार्यक्रम पर भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी ने कहा कि ईद, बैसाखी और गुड फ्राइडे, भारतीय नववर्ष आने वाले हैं। इन त्योहारों पर, हमने तय किया है कि हमारे अल्पसंख्यक मोर्चा के कार्यकर्ता पीएम मोदी की ओर से सौगात-ए-मोदी किट वितरित करेंगे। जमाल सिद्दीकी ने दावा किया कि इसमें खाने-पीने की चीजें होंगी और घर की महिला मुखिया के लिए एक सूट का कपड़ा होगा। इसमें सभी जरूरी सामान होंगे। ईद आने वाली है, इसलिए इसमें सोया, चीनी, सूखे मेवे, बेसन और दूध के पैकेट होंगे। इसी तरह हम बैसाखी और गुड फ्राइडे के लिए जरूरी सामान बांटने जा रहे हैं। इस कार्यक्रम के लिए हमारे भाजपा मोर्चे के करीब 32,000 पदाधिकारी 100-100 घरों में जाएंगे। इस तरह हम 32 लाख घरों तक पहुंचकर सौगात-ए-मोदी बांटेंगे। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा ने भी घोषणा की है कि वह जिला स्तर पर सौगात-ए-मोदी किट वितरित करके ईद मिलन समारोह आयोजित करेगा।

चलते हुए इंडिगो के विमान में सभी यात्री तेजी से उछले... डर के मारे कांप गयी हड्डियां, बेंगलुरु जा रहा प्लेन पक्षी से टकराया

तिरुवनंतपुरम-(आरएनएस)। सोमवार सुबह तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर विमान के उड़ान भरने से ठीक पहले पक्षी से टकराने के बाद बेंगलुरू जाने वाली इंडिगो उड़ान रद्द कर दी गई। तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरू जा रहा इंडिगो विमान 6श्व 6629 रनवे पर तेजी से आगे बढ़ रहा था, तभी पक्षी उसके बाएं इंजन से टकराया। विमान में सवार यात्री कर्नल (सेवानिवृत्त) गोपालकृष्णन ने कहा, पायलट और सह-पायलट ने अचानक ब्रेक लगा दिए, जिससे सभी यात्री आगे की ओर झटके से उछल गए। इसके तुरंत बाद पायलट और चालक दल ने हमें घटना के बारे में सूचित किया।

एयरलाइंस के लिए यात्रियों की सुरक्षा सबसे जरूरी है

एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब इंडिगो की फ्लाइट 6श्व 6629 179 यात्रियों को लेकर उड़ान भरने की तैयारी कर रही थी। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, घटना के बाद विमान को तुरंत निरीक्षण के लिए वापस बे में ले जाया गया। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए एयरलाइन ने उड़ान रद्द करने और प्रभावित यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था करने का फैसला किया।

दिसंबर 2024 में भी ऐसी ही घटना पिछले साल दिसंबर में दिल्ली से शिलांग जा रही फ्लाइट को पक्षी से टकराने के बाद पटना के जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी थी। एयरपोर्ट अधिकारियों के अनुसार, सभी यात्री सुरक्षित हैं और यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की गई है। पटना एयरपोर्ट के निदेशक अंचल प्रकाश ने कहा, स्पाइसजेट की दिल्ली-शिलांग फ्लाइट में तकनीकी समस्या आ गई थी, जिसके कारण इसे यहां जय प्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर डायवर्ट किया गया, जहां 9 दिसंबर को सुबह 8.52 बजे यह सुरक्षित उतर गई। यात्रियों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था की जा रही है।

विमान से पक्षियों के टकराने के मामले अक्सर सामने आते रहते हैं। जब कोई विमान किसी पक्षी से टकराता है, तो इस घटना को पक्षी से टकराना या पक्षी हमला कहा जाता है। पिछले कुछ वर्षों में, दुनिया भर में पक्षियों से टकराने की सैकड़ों घटनाएँ दर्ज की गई हैं। रिपोर्टों के अनुसार, पक्षियों से टकराने के कारण दुनिया भर में 250 से अधिक विमान प्रभावित हुए हैं। पिछले साल दिसंबर में, दक्षिण कोरिया में एक दुखद पक्षी से टकराने की घटना में विमान में सवार 124 लोगों की जान चली गई थी।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना खितौला में विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि सिहोरा रेल्वे स्टेशन के बाहर हनुमान जी मंदिर के पास तीन व्यक्ति गांजा की सप्लाई करने के लिये आये हैं सूचना पर एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुये योजनाबद्ध तरीके से मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी गई सिहोरा रेल्वे स्टेशन के बाहर हनुमान जी के मंदिर के पास मुखबिर के बताये हुलिये के तीन व्यक्ति आते दिखे जिनमें से 2 व्यक्ति ट्राली बैग लिये थे, तीनों पुलिस को देखकर भागने लगे, एक व्यक्ति भागने में सफल हो गया, 2 व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 60 वें जन्मदिवस पर भाजपा ने किए सेवा कार्य

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मोहन यादव के 60 वें जन्मदिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर के नेतृत्व में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमे पौधारोपण, वरिष्ठ जनों का सम्मान, गुरुकुल के बच्चो को शिक्षण सामग्री वितरण, जिला अस्पताल में मरीजों को फल वितरण कार्यक्रम किए गए और मुख्यमंत्री जी के यशस्वी जीवन की कामना की। भाजपा जबलपुर महानगर द्वारा पूर्व विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत महाकौशल कॉलोनी में पौधारोपण के साथ ही वरिष्ठजनों का सम्मान किया गया।

पार्टी द्वारा विजय नगर स्थित सेवा भारती द्वारा संचालित लाड़ली बसेरा गुरुकुल में शिक्षा दीक्षा ग्रहण कर रहे बच्चो के बीच जाकर उन्हें बस्ते, किताबें एवं अन्य शिक्षण सामग्री का वितरण किया गया। युवा मोर्चा द्वारा जिला अस्पताल विक्टोरिया में मरीजों को फल वितरण किया गया। इस अवसर पर नगर अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने मुख्यमंत्री जी के यशस्वी जीवन की कामना करते हुए कहा मप्र को देश का सबसे विकसित राज्य बनाने के संकल्प को लेकर कार्य करने वाले हमारे मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी के नेतृत्व में भाजपा सरकार गांव, गरीब, किसान, मजदूर, युवा और महिलाओ के जीवन स्तर को उठाने का कार्य कर रही है। आज उनके जन्मदिवस पर हम सभी कार्यकर्ताओ ने उन्हे शुभकामनाये देते हुए सेवा कार्य किए है। इस अवसर पर प्रदेश कोषाध्यक्ष श्री अखिलेश जैन ,रंजीत पटेल, प्रशांत केशरवानी, मंडल अध्यक्ष अमित राय, योगेश बिलोहा, पुष्पराज पांडे, अंजना मनीष अग्रहरि, मुरली दुबे, राहुल दुबे, नितिन मिश्रा, सुभाष शुक्ला, बिट्टू राय, श्रीमती पूजा राठौर, श्रीमती अर्चना पटेल, अजय अधिकार, पिंटू पटेल, प्रवीण सिंह, सुदीप सिंह, सहित मंडल के समस्त पदाधिकारी, एवं कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

करदाता ऑनलाइन बकाया करों की राशि जमा कर पा सकते है विशेष छूट

समस्त करदाताओं को 31 मार्च तक संपत्तिकर जलप्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के अधिभार ;सरचार्ज में छूट

बकायादारों द्वारा 31 मार्च तक बकाया करों की राशि जमा न करनें पर 1 अप्रैल से करों की राशि होगी दो गुना

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम की आर्थिक स्थिति सुदृढ करने तथा लक्ष्य के अनुरूप राजस्व आय बढ़ाने के उद्देश्य से निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव लगातार वसूली अभियान की समीक्षा कर रहीं हैं और राजस्व अमले को निर्देश भी दे रहीं हैं। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देश पर अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह के द्वारा समस्त संभाग के राजस्व निरीक्षकों के साथ राजस्व विभाग की समीक्षा बैठक भी ली जा रही है।

अपर आयुक्त श्रीमती अंजू सिंह ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024.25 में संपत्तिकरए जलप्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के मात्र अधिभार में लोक अदालत अंतर्गत दी गई छूट को मार्च माह में 25 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025 तक केवल व्दसपदम भुगतान की दशा में निरंतर रखा गया है।

उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियमए 1956 की धारा 162 व 163 एवं मध्यप्रदेश नगर पालिका अधिनियमए 1961 की धारा 130 131 तथा 132 में निहित शक्तियों को उपयोग में लाते हुये राज्य शासन एतद्द्वारा सम्पत्तिकरए जलप्रभार एवं अन्य उपभोक्ता प्रभार के मात्र अधिभार ;सरचार्जद्ध में दिनांक 25 मार्च 2025 से 31 मार्च 2025 तक ऑनलाइन बकाया करो की राशि जमा करने पर विशेष छूट प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि शहर के करदाताओं के पास बकाया करों की राशि 31 मार्च तक जमा कर अधिभार से बचने के लिए अब मात्र 6 दिन शेष बचा है। 6 दिन के उपरांत यानी 1 अप्रैल 2025 से समस्त बकाया करों की राशि दो गुना कर करदाताओं से करों की राशि सख्ती के साथ वसूल की जायेगीए जिसमें आने वाली लोक अदालत में भी राहत नहीं मिलेगी। उन्होंने कहा कि निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के द्वारा लगातार करदाताओं से अपील की जा रही है कि 31 मार्च तक समस्त बकाया करों सम्पत्तिकरए जलकरए किरायाए कचरा प्रबंधन शुल्क एवं अन्य शुल्क की राशि जमा कर अधिभार के साथ.साथ अप्रिय कार्यवाही से बचें।

अधिभार से बचने करदाताओं के पास अब मात्र 6 दिन शेष

समस्त सम्माननीय करदाताओं से समय पर सम्पत्तिकरए जलकरए किरायाए कचरा प्रबंधन शुल्क आदि जमा करने अपील

एम.पी. ट्रांसको के मैदानी कार्यपालन अभियंताओं ने समझी मुख्यालय की कार्पोरेट कार्यप्रणाली

जबलपुर में आयोजित हुई एक दिवसीय प्रदेश स्तरीय कार्यशाला

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) के प्रदेश में विभिन्न मैदानी कार्यालयों में कार्यरत कंपनी कैडर के कार्यपालन अभियंताओं को कार्पोरेट कार्यप्रणाली से अवगत कराने के उद्देश्य से मुख्यालय जबलपुर में एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें जबलपुर स्थित विभिन्न कार्पोरेट कार्यालयों में पदस्थ विषय विशेषज्ञों द्वारा अपने संकाय से संबंधित विभागीय विषयों के संबंध में विस्तार पूर्वक अवगत कराया गया। साथ ही इस कार्यशाला में मैदानी अधिकारियों की दैनिंदिक कार्यप्रणाली के दौरान आने वाली समस्याओं व दुविधाओं के निदान के साथ ही कार्पोरेट, मैदानी कार्यालयों से क्या-क्या अपेक्षाएं रखता है, इस पर भी संवाद हुआ। इस कार्यशाला में मध्यप्रदेश से मैदानी कार्यालयों में पदस्थ कंपनी कैडर के 54 कार्यपालन अभियंताओं ने हिस्सा लिया।

कंपनी के फ्यूचर लीडर है कार्यपालन अभियंता-एम.डी. इंजी. सुनील तिवारी

कार्यशाला के प्रारंभिक सत्र को संबोधित करते हुये एम.पी. ट्रांसको के प्रबंध संचालक इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि ये कार्यपालन अभियंता कंपनी के फ्यूचर लीडर है, जो वर्तमान में भी फील्ड के सभी महत्वपूर्ण कार्यों को दक्षतापूर्वक अंजाम देते है। उन्होंने आव्हान किया कि कंपनी कैडर के इन सभी अभियंताओं को लीडरशीप क्वालिटी के साथ कंपनी के कार्यों में इवॉल्व होने की आवश्यकता है, ताकि वो विषम से विषम परिस्थितियों में भी अपने व कंपनी के अस्तित्व को बनाये रख सकें। उन्होंने कहा कि आने वाला समय में एम.पी. ट्रांसको को देश की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से बनाये रखने की एक बहुत बड़ी चुनौती रहेगी, अभियंता स्वंय में साफ्ट स्किल डेवलप कर, इनोवोटिव कार्यशैली, समय के अनुसार परिवर्तन स्वीकार करने, सीखने की उत्सुकता रखने तथा कार्यों को नये तौर तरीकों से संपादित कर आसानी से इस चुनौती का सामना कर सकते है।

कर्मा देवी जयंती पर साहू युवा मंडल ने किया निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

मां कर्मा की परोपकार की भावना को आत्मसात करे समाज- राकेश सिंह

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। त्याग, तपस्या और ईश्वर के प्रति पूरे समर्पण भाव से किया प्रेम का फल होता है कि भगवान भी बालक का रूप लेकर आपकी गोद में बैठकर भोग ग्रहण करते है और ऐसी ही भक्त शिरोमणि माता कर्मा जी थी जिन्होंने अपनी भक्ति से भगवान के बाल्य स्वरूप को दुलार करने का पुण्य मिला यह बात लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने मां कर्मा देवी की जयंती के अवसर पर साहू युवा मंडल द्वारा लाल बिल्डिंग, गंगानगर में आयोजित निशुल्क स्वास्थ्य शिविर के उद्घाटन अवसर पर कही। मंत्री श्री सिंह ने कहा माता कर्मा भगवान श्री कृष्ण की अनन्य भक्त थी और वे सिर्फ साहू समाज की नही अपितु पूरे सनातन समाज की आराध्य थी, उन्होंने भक्ति समर्पण और परोपकार की जो अलख जायेगी इससे समाज को सीखना चाहिए। आज साहू युवा मंडल द्वारा उसी परोपकार की भावना के निहित निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया यह अनुकरणीय है। कार्यक्रम संयोजक श्री जितेंद्र साहू ने बताया माता कर्मा की जयंती पर आयोजित स्वास्थ्य शिविर में हृदय, नेत्र, दांत, रक्तचाप, डायबिटीज के साथ ही सम्पूर्ण शरीर की निशुल्क जांच की गई।

इस शिविर में डॉ अश्वनी त्रिवेदी, डॉ विवेक जैन, डॉ श्रीकांत साहू, डॉ सचिन बुधौलिया, डॉ वीरेंद्र साहू, डॉ हर्षा रेड्डी, डॉ अरविंद पांडे, डॉ ऋषि उपाध्याय, डॉ अरुण साहू, डॉ मनीष साहू के द्वारा जांच की गई। इस अवसर पर भाजपा नगर अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, तैलघानी बोर्ड अध्यक्ष रविकिरण साहू, पूर्व महापौर प्रभात साहू, कैलाश साहू,नीलकंठ साहू, श्रीकांत साहू, शेखर साहू, संदीप साहू, वीरेंद्र साहू, मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र विश्वकर्मा, पार्षद जितेंद्र कटारे आदि उपस्थित थे।

रेलवे में धूम्रपान करने वालों पर रेलवे सुरक्षा बल ने की कार्रवाई

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भारतीय रेलवे ने यात्रियों और कर्मचारियों की स्वास्थ्य सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे स्टेशनों और ट्रेनों में धूम्रपान पर प्रतिबंध किया है। यह कदम रेलवे द्वारा यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वास्थ्यप्रद वातावरण प्रदान करने एवं आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए उठाया गया है।

पश्चिम मध्य रेल, रेलवे सुरक्षा बल ने यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं कि रेलवे परिसर, स्टेशन और ट्रेन में कहीं भी धूम्रपान न किया जाए। इसके लिए रेल अधिनियम की धारा 167 एवं सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पाद अधिनियम 2003 के तहत यह प्रतिबंध लागू है, और इसका उल?लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाकर कानूनी कार्रवाई की जाती है। वर्ष 2024 में रेलवे सुरक्षा बल द्वारा रेलवे परिसर में धुम्रपान करने वाले 8304 व्यक्तियों के विरूद्व कार्रवाई कर 16,35,120/- रूपये का जुर्माना वसूला गया तथा वर्ष 2025 में अब तक 1836 व्यक्तियों के विरूद्व कार्रवाई कर 3,48,700/- रूपये का जुर्माना वसूला गया। धूम्रपान करने से रेल परिसर एवं ट्रेनों में आग लगने का खतरा बढ़ सकता है, खासकर ट्रेनों में जहां कई इलेक्ट्रिकल और ज्वलनशील सामग्री होती है। रेल प्रशासन यात्रियों से अनुरोध करता है कि वे रेलवे परिसर में धूम्रपान करने से बचें और नियमों का पालन करें ताकि यात्रियों को एक स्वस्थ और सुरक्षित यात्रा का अनुभव हो सके।

रेल प्रशासन यात्रियों से अपील करता हैं कि वे रेलवे परिसर में धूम्रपान न करें और रेलवे को एक स्वच्छ और सुरक्षित परिवहन सेवा के रूप में बनाए रखने में मदद करें।

डॉ. एच. पी. तिवारी बने राष्ट्रीय मंत्री

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। हिंदुत्व और राष्ट्र रक्षा हेतु समर्पित संगठन भारत रक्षा मंच द्वारा अहमदाबाद में संपन्न अपनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में जबलपुर के वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. एच. पी.तिवारी को राष्ट्रीय सचिव का दायित्व देने के साथ ही मध्य क्षेत्र (मध्य भारत, महाकौशल और छत्तीसगढ़ प्रांत) का संगठन प्रमुख बनाया गया है। इस अवसर पर गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री श्री विजय भाई रूपाणी,अहमदाबाद सांसद श्री दिनेश भाई पटेल, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.सत्यनारायण जटिया, राष्ट्रीय संयोजक श्री सूर्यकांत केलकर, महामंत्री डॉ. अशोक आचार्य और संगठन मंत्री श्री प्रशांत कोतवाल सहित 23 प्रांतों के सैकड़ों प्रतिनिधि उपस्थित थे।

मुंबई-रीवा अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का धरनगांव स्टेशन पर दो मिनट का ठहराव मिला

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। रेल प्रसाशन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु चल रही समर स्पेशल ट्रेन गाड़ी संख्या 09129/09130 बांद्रा टर्मिनस-रीवा-बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित स्पेशल ट्रेन का पश्चिम रेलवे के धरनगांव स्टेशन पर दो मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया गया है।

गाड़ी संख्या 09129 बांद्रा टर्मिनस-रीवा अनारक्षित स्पेशल ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से प्रस्थान करने वाली गाड़ी दिनांक 27 मार्च 2025 से धरनगांव स्पेशन पर आगमन/प्रस्थान समय दोपहर 13ः34/13ः36 बजे रहेगा। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09130 रीवा-बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित स्पेशल ट्रेन रीवा से प्रस्थान करने वाली गाड़ी दिनांक 28 मार्च 2025 से धरनगांव स्पेशन पर आगमन/प्रस्थान समय प्रातः भोर 03ः31/03ः33 बजे रहेगा। यात्रियों से अनुरोध है कि ट्रेन के ठहराव की उचित स्थिति की जानकारी स्टेशन, एनटीईएस, रेल मदद 139 अथवा ऑनलाइन प्राप्त कर यात्रा करें।

आज की जनसुनवाई में प्राप्त हुए 17 प्रकरण

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आज निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार अपर आयुक्त आर. पी. मिश्रा ,सहायक आयुक्त वेदप्रकाश एवं कार्यपालन यंत्री नवीन लोनारे ने जनसुनवाई कक्ष में आज दिनांक 25 मार्च 2025 को प्रातः 11:00 बजे से 01:00 बजे तक नागरिकों की समस्याएँ सुनी। इस दौरान भवन शाखा की 2, अतिक्रमण की 9, स्वास्थ्य की 3, राजस्व की 1, पेंशन की 1 एवं 1 संभागीय स्तर से संबंधित कुल 17 जनसमस्याएँ प्राप्त हुई, जिसका निराकरण सुनवाई के दौरान ही किया गया। सहायक आयुक्त वेदप्रकाश ने बताया कि सभी प्राप्त शिकायतें संबंधित अधिकारियों को जल्द से जल्द निराकरण हेतु प्रेषित की गयी हैं। उन्होंने बताया कि नगर निगम के संभाग क्रमांक 1 से 16 में भी जनसुनवाई का आयोजन किया गया तथा नागरिकों की समस्याएँ सुनी गई और उनका निराकरण भी कराया गया। जनसुनवाई के दौरान सभी विभागीय प्रमुख आदि उपस्थित रहे।

मां कर्मा देवी की जयंती के अवसर पर समरसता सेवा संगठन द्वारा विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन आज

जबलपुर। समरस भारत - समर्थ भारत के लिये सब सबको जाने - सब सबको माने, एक अभियान के अंतर्गत समरसता सेवा संगठन द्वारा मां कर्मा देवी की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी एवं सम्मान समारोह का आयोजन कल बुधवार 26 मार्च 2025 को शाम 04 बजे से आईएमए. हॉल, चंचला बाई कॉलेज के पास रानीताल पेट्रोल पंप के सामने में किया गया है। इस अवसर पर समरसता होली महोत्सव के सहभागियों का सम्मान भी किया जाएगा । समरसता सेवा संगठन के अध्यक्ष श्री संदीप जैन ने सभी से उपस्थिति की अपील की है।

स्मार्ट विद्युत मीटर लगाने के बाद की जा रही अवैध वसूली

मुस्लिम विकास परिषद ने ज्ञापन देकर की कार्यवाही की मांग

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जाकिर हुसैन वार्ड में स्मार्ट मीटर लगाने के बाद ठेकेदार व उनके कर्मचारियों के द्वारा डरा धमकाकर गरीब उपभोक्ताओं से रुपयों की अवैध वसूली की जा रही है। उक्ताशय का एक ज्ञापन कार्यवाही हेतु मुस्लिम विकास परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. मुईन अंसारी, पठान समाज के सरदार हाजी मुईन खान, पत्रकार आरिफ खान, समाजसेवी फैजान कुरैशी, एड. अय्यूब अंसारी के नेतृत्व में बिजली विभाग के सीएमडी के नाम अधी. यंत्री शहर को सौपा गया। ज्ञापन की प्रति मुख्यमंत्री व कलेक्टर को भी प्रेषित की गई। ज्ञापन में कहा गया कि बिजली कंपनी के ठेकेदार और क्षेत्र के जन प्रतिनिधि की साठगांठ से प्रतिदिन गरीबों से लाखों रुपए की अवैध वसूली की जा रही है। प्रायः उपभोक्ताओ द्वारा स्वेच्छा से स्मार्ट मीटर बदलवा रहे हैं। मीटर बदलते ही इनके द्वारा कहा जाता है कि पुराने मीटर से छेड़छाड़ की गई है और बिजली की चोरी की है उसका प्रकरण दर्ज होगा, आपके मीटर की जांच

होगी तो लगभग 50 से 70 हजार रुपये लग जायंगे, और आपके घर की बिजली बंद कर दी जाएगी। इस तरह से डरा धमका कर उनसे 5, 10 अथवा 15 हजार रुपये वसूल रहे हैं।

पुराना मीटर सही होने के बावजूद भी डरा कर अवैध वसूली की जा रही हैं। जांच कर दोषी ठेकेदार व उसके कर्मचारियों पर कार्यवाही की मांग की गई हैं। ज्ञापन देते समय मुस्लिम विकास परिषद के रम्भल विश्वकर्मा, मामूर गुड्डू, एड.रियाज, इस्तियाक अंसारी, इरफान कुरैशी, जावेद मिर्जा, गुलाम साबरी, एड. अकबर उस्मानी, शाहिद कुरैशी, तारिक कुरैशी, अशरफ कुरैशी, लियाकत जावेद, मुज्जफर कुरैशी, साजिद काजी, अहमद रज़ा, इस्लाम अली आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही।

भोपाल (आरएनएस)। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश हाऊसिंग बोर्ड के अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि बोर्ड समाज के मध्यम और कमजोर वर्ग के आवासों की आवश्यकता को पूरा करने को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि बोर्ड अपने कामों की गुणवत्ता से आम जनता के बीच में अपनी साख को और मजबूत करे। उन्होंने कहा कि बोर्ड अपने प्रत्येक प्रोजेक्ट की गहन समीक्षा करे और इसे नियत टाइम फ्रेम में पूरा किया जाये। मंत्री श्री विजयवर्गीय आज भोपाल में मध्यप्रदेश गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के निर्माण कार्यों की बैठक में समीक्षा कर रहे थे।

मुख्यमंत्री ने स्वातंत्र्य वीर श्री विनायक दामोदर सावरकर की प्रतिमा का किया अनावरण

वीर सावरकर के व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा-मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल-(आरएनएस) मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वातंत्र्य वीर विनायक दामोदर सावरकर भारत के महान क्रांतिकारी, स्वतंत्रता सेनानी, चिन्तक, समाज सुधारक, इतिहासकार, कवि, ओजस्वी वक्ता तथा दूरदर्शी राजनेता थे। वे अपने कृतित्व से वीर सावरकर के नाम से लोकप्रिय हुए। उनके व्यक्तित्व और कृतित्व को जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को इंदौर के प्रगति नगर में स्वातंत्र्य वीर श्री विनायक दामोदर सावरकर जी की प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव, विधायक श्री मधु वर्मा, श्री रमेश मेंदोला, श्री गोलू

शुक्ला, वीर सावरकर के पौत्र श्री रंजीत सावरकर, बाबा साहब नवाथे, श्री सुमित मिश्रा, श्री श्रवण चावड़ा सहित अन्य जनप्रतिनिधि मौजूद थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वीर सावरकर के स्मरण से ही रोमांच की अनुभूति होती है। उन्होंने अनेक कष्ट एवं प्रताड़ना सह कर देश को स्वतंत्रता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका जीवन आदर्श है। कालापानी जैसी सबसे कठिन सजा पाकर भी वे अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटे। उन्होंने कहा कि वीर सावरकर के इतिहास को सही रूप में समझने की आवश्यकता है। हमारा लक्ष्य है कि उनके इतिहास को सही रूप में जन-जन तक पहुंचाया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जिस स्थान की स्थापना जिस महापुरुष के नाम से होती है वह स्थान उन्हीं के नाम से जाना और पहचाना जाए। इसके लिए सूचना पटल लगाने सहित शासकीय पत्राचार और अन्य कार्यों में भी उनके नाम का उपयोग किया जाए। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने कहा कि इंदौर के राजेंद्र नगर क्षेत्र के प्रगति नगर जोन कार्यालय में जन सहयोग से वीर सावरकर की प्रतिमा का निर्माण किया गया है। मूर्ति के आधार को वीर सावरकर द्वारा लिखी गई किताबों की शक्ल में तैयार किया गया है।

टीबी मुक्त भारत के लिए मध्यप्रदेश प्रतिबद्ध- उप मुख्यमंत्री शुक्ल

भोपाल-(आरएनएस) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने निक्षय भारत अभियान के उत्कृष्ट क्रियान्वयन के लिए स्वास्थ्यकर्मियों, निक्षय मित्रों, सामाजिक कार्यकर्ताओं की सराहना की है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि मध्यप्रदेश 2025 तक टीबी मुक्त भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य केवल शासकीय प्रयासों से ही संभव नहीं है, बल्कि समाज के हर वर्ग की सक्रिय भागीदारी से ही इसे साकार किया जा सकता है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की है कि इस अभियान में सहयोग दें और टीबी मुक्त मध्यप्रदेश बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने विश्व टीबी दिवस पर स्वास्थ्यकर्मियों, निक्षय मित्रों, सामाजिक संगठनों और आम नागरिकों की प्रतिबद्धता और समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि सबकी मेहनत और सेवा भाव से ही मध्यप्रदेश क्षयरोग उन्मूलन की दिशा में इतनी तेज गति से आगे बढ़ा है। निक्षय मित्रों ने अपने स्तर पर आर्थिक और पोषण सहायता प्रदान कर मरीजों को नया जीवन दिया है, जो एक अनुकरणीय उदाहरण है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज के हर वर्ग की भागीदारी से हम टीबी मुक्त भारत का सपना साकार करेंगे। मध्यप्रदेश में 100 दिवसीय विशेष निक्षय शिविर अभियान के तहत 7 दिसंबर 2024 से 23 जिलों में गहन टीबी खोज और उपचार अभियान चलाया गया। इस अभियान का उद्देश्य उच्च टीबी बोझ वाले जिलों में टीबी रोगियों की शीघ्र पहचान, मृत्यु दर में कमी और नए मामलों को रोकना है। इस अभियान के तहत 78 लाख से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई, जिसमें 21 हजार 430 नए टीबी मरीज चिन्हित (नोटिफाई) किए गए और उनका तुरंत उपचार शुरू कराया गया। डीबीटी के माध्यम से आर्थिक सहायता भी प्रदान की गई। इस दौरान 19 हजार से अधिक निक्षय मित्रों ने 25 हजार से अधिक टीबी मरीजों को पोषण सहायता प्रदान की और 4 लाख से अधिक नागरिकों ने टीबी मुक्त भारत के संकल्प की शपथ ली। प्रदेश में सामुदायिक सहभागिता के अंतर्गत 5 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों को क्षयरोग मुक्त घोषित किया जा चुका है। मध्यप्रदेश ने क्षयरोग (टीबी) उन्मूलन के क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण लक्ष्यों को प्राप्त किया है। वर्ष 2020 में संभावित क्षयरोगी दर 532 प्रति लाख थी, जो 2024 में बढ़कर 3031 प्रति लाख हो गई, जो रोगियों की शीघ्र पहचान और बेहतर निगरानी का प्रमाण है।

जापान से मध्यप्रदेश में निवेश के खुलेंगे नए द्वार

भोपाल (आरएनएस)। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में पार्टनर कंट्री जापान के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने और मध्यप्रदेश में निवेश के नए द्वार खोलने के लिए एक महत्वपूर्ण क्रॉस कंट्री सेशन का आयोजन किया गया। सेशन में जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग, तकनीक हस्तांतरण और साझा विकास के अवसरों पर चर्चा हुई। इसमें जापान और भारत के उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधियों ने भाग लिया और निवेश एवं व्यापारिक संबंधों को सशक्त करने के विभिन्न पहलुओं पर अपने विचार रखे।

कौंसुलेट जनरल ऑफ जापान यागी कोज़ी, जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जेट्रो) के डायरेक्टर जनरल हीरोयुकी किटामारु, जेट्रो के डायरेक्टर संजय भाटिया और ब्रिजस्टोन इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर हिरोशी योशीजाने ने अपने विचार रखे। इन विशेषज्ञों ने जापान और मध्यप्रदेश के बीच आर्थिक सहयोग को और अधिक सशक्त बनाने के लिए विभिन्न सुझाव दिये।

सेशन के दौरान जापानी प्रतिनिधियों ने मध्यप्रदेश में निवेश की संभावनाओं, औद्योगिक विकास, तकनीकी और व्यापारिक साझेदारी पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज्य में ऑटोमोबाइल, मैन्युफैक्चरिंग, आईटी, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स और नवकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में जापानी कंपनियों के लिए असीम संभावनाएं मौजूद हैं। कौंसुलेट जनरल यागी कोज़ी ने अपने संबोधन में कहा कि जापान और भारत के संबंध ऐतिहासिक रूप से काफी मजबूत रहे हैं और हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापारिक गतिविधियाँ बढ़ी हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश सरकार की निवेश-अनुकूल नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में राज्य में उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण है, जो जापानी कंपनियों को आकर्षित करने में है। जेट्रो के डायरेक्टर जनरल हीरोयुकी किटामारु ने कहा कि जापान की कई प्रमुख कंपनियाँ भारत में पहले से ही कार्यरत हैं और वे अपने व्यवसाय को और विस्तार देने की योजना बना रही हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश की औद्योगिक अधोसंरचना की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य में जापानी निवेशकों के लिए विशेष रूप से अनुकूल अवसर उपलब्ध हैं।

निर्माण श्रमिक कर्मकार कल्याण मंडल का वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पारित

श्रमिक रैन बसेरों का नाम दत्तोपंत ठेंगड़ी श्रमिक विश्राम गृह होगा -मंत्री पटेल

भोपाल-(आरएनएस) श्रम, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश के नगर निगमों में संचालित श्रमिक विश्राम गृहों का नाम देश के सुप्रसिद्ध विचारक, चिंतक और श्रमिक नेता स्व. दत्तोपंत ठेंगड़ी के नाम पर होगा। यह निर्णय म.प्र. भवन एवं अन्य संनिर्माण कर्मकार कल्याण मंडल की 39 वीं बोर्ड बैठक में लिया गया। बैठक में मंडल के आगामी वित्तीय वर्ष 2025-26 का रूपये 1026 करोड़ का बजट पारित किया गया। उक्त बजट में आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पंजीकृत निर्माण श्रमिकों को चिकित्सा सहायता के लिये %निरामयम% योजना मद में

रूपये 300 करोड का प्रावधान किया गया है। इसी प्रकार श्रमोदय विद्यालय संचालन मद में 60 करोड रूपये तथा आई.टी.आई. के संचालन के लिये रूपये 5.76 करोड़ का प्रावधान किया गया है। दूरस्थ जिला सिंगरौली में श्रमोदय आवासीय विद्यालय के निर्माण एवं संचालन का निर्णय भी लिया गया।

बैठक में सदस्य श्री लोकेश विजयवर्गीय द्वारा पूर्व में अपात्र घोषित किये गये निर्माण श्रमिकों से अपील आवेदन करवाने की मांग की गई। श्रम मंत्री एवं मंडल के अध्यक्ष श्री पटेल ने पूर्व में अपात्र घोषित किये गए निर्माण श्रमिकों से एक माह अभियान चलाकर अपील संबंधी कार्यवाही करने एवं सभी जिला एवं ब्लॉक मुख्यालयों पर निर्माण मंडल द्वारा संचालित योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए।

बैठक में प्रमुख सचिव, श्रम श्री उमाकांत उमराव ने पौधा भेंट कर मंत्री श्री पटेल का स्वागत किया। इस अवसर पर श्रम आयुक्त श्रीमती रजनी सिंह, मंडल के सचिव श्री एस.एस. दीक्षित एवं मंडल के सदस्य श्री बनवारी लाल चौकसे सहित अन्य शासकीय/अशासकीय सदस्य उपस्थित थे।

हिन्दू नववर्ष पर होगा कर्मश्री का कवि सम्मेलन, देश के सुप्रसिद्ध कवियों के काव्यपाठ से होगा नववर्ष का स्वागत

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल, लगातार बड़े स्तर पर धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन कराने वाली संस्था कर्मश्री हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी हिंदू नववर्ष पर भी बड़ा आयोजन करने जा रही है। इस भव्य और विशाल आयोजन को लेकर रविवार को कर्मश्री संस्था के अध्यक्ष और भोपाल की हुजूर विधानसभा के विधायक रामेश्वर शर्मा ने आयोजन स्थल 'अटल पथ, टीटी नगर, भोपाल में बड़ी बैठक कर कार्यकर्ताओं से चर्चा की। विधायक शर्मा ने महापुरुषों की तस्वीर पर माल्यार्पण कर बैठक को संबोधित किया। बैठक में हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में श्री शर्मा ने कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर व्यवस्था वितरण किया व तैयारी संबंधी निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि - चैत्र प्रतिपदा, गुढी पडवा हर हिन्दू का गौरवशाली पर्व है। इस दिन हमारा हिन्दू नववर्ष प्रारंभ होता है। इसलिए इस दिन को हम हमेशा बहुत उत्साह और उल्लास से मनाते हैं। जब पूरी दुनिया जनवरी में नए साल का स्वागत करती है, तब हम अपने सनातन पंचांग के अनुसार चैत्र प्रतिपदा को नवसंवत्सर मनाकर अपनी परंपराओं का सम्मान करते हैं। यह दिन हमें धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के प्रति हमारी जिम्मेदारियों का बोध कराता है।

सड़क के अतिक्रमण को तुरंत हटाए-राज्य मंत्री श्रीमती गौर

भोपाल-(आरएनएस) पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि गोविंदपुरा क्षेत्र के विकास के लिए लगातार कार्य चल रहे हैं। यह बात उन्होंने सोमवार को आनंद नगर में चल रहे कार्यों की समीक्षा बैठक में कही। बैठक में राज्य मंत्री श्रीमती गौर के समक्ष व्यापारियों ने कहा कि आनंद नगर से हथाईखेड़ा तक

सीसी रोड़ के निर्माण के बाद दोनों तरफ नाली निर्माण के कार्य में तेजी लाई जाए और बारिश से पहले निर्माण कार्य पूरा हो जाए। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नाली निर्माण के कार्य को शीघ्र पूरा कराया जाएगा। उन्होंने व्यापारियों से अनुरोध किया कि वह सड़क तक फैले अतिक्रमण को खुद हटा ले। इससे नाली के निर्माण में किसी भी तरह की अड़चन खड़ी नहीं हो सकेगी। सड़क के दोनों तरफ, नाली और सड़क के बीच में पेवर ब्लॉक भी लगाए जाएंगे और उस पर पीले रंग से मार्किंग भी की जाएगी, ताकि व्यापारी पीली लाइन के आगे तक दुकान का सामान न रखें और ग्राहकों को गाड़ियां खड़ी करने में किसी तरह की असुविधा न हो। उन्होंने आनंद नगर में सड़कों पर गाड़ियां खड़ी होने से अतिक्रमण की समस्या बढ़ने पर चिंता व्यक्त की। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह व्यापारियों और रहवासियों के साथ निरीक्षण कर जो भी बाधा नाली के निर्माण में आ रही है, उसे अतिशीघ्र दूर कर जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू किया जाए। इस दौरान बैठक में श्री अनिल कुमार जैन, श्री राकेश श्रीवास्तव, श्री दिलीप चौरसिया, श्री हर्षित तिवारी, श्री अनुराग राय, श्री सुरेश चौकसे, पार्षद श्रीमती छाया ठाकुर और पीडब्ल्यूडी के अधिकारी, आनंद नगर के व्यापारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

सरेराह मंत्री के भतीजे के साथ मारपीट

भोपाल (आरएनएस)। 6 नंबर मार्केट में सरेराह मंत्री प्रतिमा बागरी के भतीजे दीपराज बागरी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना 22 फरवरी की शाम की बताई जा रही है। वारदात का वीडियो सोमवार को सामने आया है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, फरियादी ने एक महिला मित्र की बात एक युवक से कॉल पर कराने में देरी कर दी थी। इससे नाराज युवक ने मारपीट की है। आरोपी थार में सवार होकर आया था। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। हबीबगंज पुलिस के मुताबिक, दीपराज बागरी (28) मूल रूप से नागौद जिला सतना का रहने वाला है। फिलहाल वह 333 नीलम चौराहा संजीव नगर में रहते हैं और सीएपीटी में डॉक्टर हैं। उन्होंने बताया कि, कुछ दिन पहले मेरे दोस्त पचमढ़ी गए थे। तब अरुण गुर्जर नाम के युवक का मेरे पास कॉल आया। उसने मेरी महिला मित्र से बात कराने की बात कही। युवती ने उससे कॉल बात करने से इनकार कर दिया। इसी बात से आरोपी अरुण गुर्जर नाराज था।

22 फरवरी की शाम पांच बजे दीपक और उनकी दो महिला मित्र 6 नंबर मार्केट पर काम से गए थे। वहां आरोपी अरुण का कॉल आया। उसने गालियां देते हुए मिलने का दबाव बनाया। हम पास में ही उससे मिले,

केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने विदिशा में होली मिलन समारोह में सहभागिता की और शासकीय चिकित्सालय में ब्लड बैंक का शुभारंभ किया

भोपाल (आरएनएस)। केन्द्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र विदिशा के प्रवास पर थे। शिवराज सिंह ने विदिशा में आयोजित कई स्थानीय कार्यक्रमों में शिरकत की। केन्द्रीय मंत्री ने यहां एक निजी फूड प्रोडक्ट

इंडस्ट्री का शुभारंभ किया और बाढ़ वाले गणेश मंदिर में दर्शन कर पूजा अर्चना की और यहां आयोजित होली मिलन समारोह में सहभागिता की। वहीं केन्द्रीय मंत्री ने अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय में ब्लड बैंक का उद्घाटन किया। इस दौरान शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, मूल रूप से हम जनता के सेवक हैं और जनता की अगर सबसे बड़ी कोई सेवा है वो है कि, कोई बीमार हो तो उसका इलाज करवाना। पहला सुख निरोगी काया। भगवान के बाद अगर दूसरा कोई है तो वह है डॉक्टर, सिस्टर्स, नर्सिंग स्टाफ क्योंकि उम्मीद उन्हीं से होती है कि वो हमारी जिंदगी बचाएगा।

विदिशा प्रगति पथ पर बढ़ रहा है

केन्द्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि, विदिशा मेडिकल कॉलेज से 750 बिस्तर का अस्पताल भी जुड़ा हुआ है और आज इस मेडिकल कॉलेज को एक नई सौगात मिली है, यहां कम्प्लीट ब्लडबैंक का उद्घाटन हुआ है। विदिशा मेडिकल कॉलेज संपूर्णता प्राप्त करे और इसलिए चाहे एमआरआई की मशीन हो या यहां न्यूरोलॉजी हो, कार्डियोलाजी जैसे डिपार्टमेंट्स हो और उसके साथ-साथ हॉस्टल की सुविधा हो, नर्सिंग स्टॉफहो, ऑडीटोरियम हो, सभी व्यवस्थाएं करने में हम कोई कसर नहीं छोड़ेंगे। उन्होंने कहा कि, विदिशा लगातार प्रगति के पथ पर आगे बढ़े ये हमारी प्रतिबद्धता है और उसके लिए केंद्र की सरकार प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में और यहां राज्य सरकार लगातार काम करेगी और मैं दोनों जगह पुल का काम करूंगा। वहीं शिवराज सिंह ने बच्चे के लिवर ट्रांसप्लांट का वाकया सुनाते हुए कहा कि, आज मेरे पास सुबह एक छोटा बेटा आया। वो मेरे साथ जन्मदिन मनाने आया था। मैं उस बच्चे की बात कर रहा हूं, जिसका लिवर खराब हो गया था। हमने उस बच्चेका लिवर ट्रांसप्लांट कराया था, अब वो बिल्कुल ठीक है और वो हर बार अपने जन्मदिन पर मेरे साथ ही पेड़ लगाने आता है।

भारतीय भाषाओं के संगम का केंद्र बनेगा मध्यप्रदेश-भारतीय दर्शन ज्ञानमेव शक्ति के आधार पर पुनः विश्वगुरु बनेगा भारत

खेल के क्षेत्र में भारत का अपना समृद्ध इतिहास रहा है - मंत्री परमार

भोपाल (आरएनएस) हमारे पूर्वज खेलों का महत्व जानते थे। पुरातन काल से भारत, विविध खेल विधाओं एवं पारम्परिक खेलों से समृद्ध रहा है। सामाजिक परम्पराओं और प्रचलन में खेल का समावेश था। भारत का खेल क्षेत्र में अपना समृद्ध इतिहास रहा हैं। अतीत के विभिन्न कालखंडों में भारत ने, विश्व के विविध खेलों को भी भारतीयता के साथ समावेशित किया है। खेल के मैदान संस्कार और अनुशासन सिखाते हैं। खेल से आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता विकसित होती है। यह बात उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा एवं आयुष मंत्री श्री इन्दर सिंह परमार ने सोमवार को भोपाल स्थित सैम ग्लोबल यूनिवर्सिटी में, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज के तत्वावधान में आयोजित अखिल भारतीय विश्वविद्यालय रोलर स्केट्स (पुरुष एवं महिला) चैंपियनशिप 2024-25 के शुभारंभ अवसर पर कही। मंत्री श्री परमार ने देश भर से पधारे खिलाड़ियों, उनके मेंटर्स और रैफरी का राजा भोज की नगरी में अभिनंदन किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि राजा भोज की नगरी भोपाल की अपनी अलग वैश्विक पहचान है। राजा भोज के शासन में विभिन्न मापदंडों की स्थापना हुई थी, यहां का श्रेष्ठ जल प्रबंधन उनकी दूरदर्शिता का उत्कृष्ट उदाहरण है। मंत्री श्री परमार ने विभिन्न विधाओं की विविध विभूतियों को सम्मानित किया। साथ ही संस्थान परिसर में पौधरोपण भी किया। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारा भारत, हमारे पूर्वजों के विचार ज्ञानमेव शक्ति के आधार पर विश्व में सर्वश्रेष्ठ था। भारत का ज्ञानपुंज विश्व में गुंजायमान था, इसलिए भारत विश्वगुरु की संज्ञा से सुशोभित था। भारत अपनी ज्ञान परम्परा के आधार पर विश्व मंच पर सिरमौर था। भारत के पुरातन ज्ञान को पुनः विश्व मंच पर युगानुकुल परिप्रेक्ष्य में भारतीय दृष्टिकोण के साथ, प्रस्तुत करना होगा। इसके लिए हमें हमारे पूर्वजों की गौरवशाली ज्ञान परम्परा पर गर्व का भाव जागृत कर, उनके बनाए मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि हमारे पूर्वजों ने प्रकृति, जल स्त्रोतों एवं सूर्य सहित समस्त ऊर्जा स्त्रोतों के संरक्षण के भाव से, शोध एवं अनुसंधान के आधार पर कृतज्ञता व्यक्त करते हुए, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ समाज में परम्परा के रूप में स्थापित की, कृतज्ञता ज्ञापित करना हमारी संस्कृति और सभ्यता है। हमारे पूर्वज सूर्य उपासक थे, प्राकृतिक ऊर्जा स्त्रोतों की उपयोगिता और महत्व को जानते थे। मंत्री श्री परमार ने कहा कि स्वतंत्रता के शताब्दी वर्षञ्च2047 तक भारत, सौर ऊर्जा के माध्यम से ऊर्जा के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों की पूर्ति करने में समर्थ देश बनेगा। साथ ही खाद्यान्न के क्षेत्र में आत्म निर्भर होकर, अन्य देशों का भरण पोषण करने में भी सामर्थ्यवान देश बनेगा। मंत्री श्री परमार ने कहा कि वसुधैव कुटुंबकम् भारत की मूल भावना रही है। विश्व कल्याण हमारा ध्येय रहा है लेकिन वैश्विक आवश्यकतानुरूप शक्ति संचय भी आवश्यक है। वर्षञ्च 2047 के विकसित एवं विश्व गुरु भारत की संकल्पना को साकार करने में हम सभी की सहभागिता आवश्यक है। मंत्री श्री परमार ने कहा कि इसके लिए हमें अपने गौरवशाली अतीत को भारतीय दृष्टि से समझना होगा। हम सभी की सहभागिता से, अपने पूर्वजों के ज्ञान के आधार पर पुनः विश्वमं च पर सिरमौर राष्ट्र का पुनर्निर्माण होगा। इसके लिए हमें स्वाभिमान के साथ हर क्षेत्र में अपने परिश्रम और तप से आगे बढ़कर, विश्व मंच पर अपनी मातृभूमि का परचम लहराना होगा। अपनी गौरवशाली सभ्यता, भाषा, इतिहास और ज्ञान के आधार पर, भारत पुनः विश्व गुरु भारत बनेगा।

मंत्री श्री परमार ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 ने हमें हीन भावना से मुक्त होकर स्वाभिमान को जागृत करने का अवसर दिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के भावानुरूप अब भाषाएं देश के सभी प्रांतों को एक दूसरे से जोड़ने का काम करेगी।

हिंदू धर्म में मंगलवार का दिन हनुमान जी को समर्पित होता है। इस दिन मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के भक्त हनुमान जी की पूजा की जाती है। मंगलवार का व्रत मनचाहा वर पाने के लिए रखा जाता है। मंगलवार का व्रत करने से जातक की हर मनोकामना पूरी होती है। वहीं हनुमान जी की कृपा से जीवन के दुख और संकट दूर हो जाते हैं

सुप्रीम कोर्ट की नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1991 की वैधता से संबंधित मामले में नयी याचिकाएं दायर होने पर नाराजगी व्यक्त की। अदालत ने कहा नये अंतरिम आवेदन को केवल तभी अनुमति दी जा सकती है, जब कोई नया बिन्दु या नया कानूनी मुद्दा हो, जो लंबित याचिकाओं में न उठाया गया हो। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, लोग नई याचिकाएं दायर करते रहते हैं और दावा करते हैं, उन्होंने नये आधार उठाए हैं। पीठ ने स्पष्ट कहा कि पहले तीन न्यायाधीशों की पीठ द्वारा सुनी गई लंबित याचिकाओं पर दो न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई नहीं कर सकती।

शीर्ष अदालत ने दिसम्बर 2024 के अपने आदेश में विभिन्न हिन्दू पक्षों द्वारा दायर लगभग अट्ठारह मुकदमों में कार्यवाही को प्रभावी तौर पर रोक दिया था, जिसमें वाराणसी की ज्ञानवापी, मथुरा की शाही ईदगाह मस्जिद व संभल की शाही जामा मस्जिद समेत दस मस्जिदों के मूल धार्मिक चरित्र का पता लगाने को सव्रेक्षण की माग की गई थी। 1991 में अयोध्या में विवादित बाबरी विध्वंस के बाद देश में पूजास्थल कानून लागू किया गया था, जिसके तहत आजादी से पूर्व मौजूद किसी भी धर्म के पूजास्थल को दूसरे धर्म के पूजास्थल में नहीं बदला जा सकता। जिन लोगों ने 1991 के इस अधिनियम की वैधानिकता को चुनौती दी, उनका आरोप है यह अधिनियम हिन्दुओं के साथ ही जैनियों, बौद्धों, सिखों को अपने पूजास्थलों को पुनः प्राप्त के लिए अदालतों में जाने से रोकता है। जिन पर कट्टरपंथी बर्बर आक्रमणकारियों द्वारा आक्रमण या अतिक्रमण किया गया था। निचली अदालतों से लेकर शीर्ष अदालत तक जनहित याचिकाओं का अंबार है।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बढ़ते कदम

दिनांक 21 से 23 मार्च तक बंगलूरू में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा की बैठक सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में दशहरा के पावन पर्व पर हुई थी, और इस प्रकार संघ अपनी स्थापना के 100वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है एवं इस वर्ष दशहरा के शुभ अवसर पर ही अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूर्ण कर लेगा। संघ की स्थापना विशेष रूप से भारतीय हिंदू समाज में राष्ट्रीयत्व का भाव जागृत करने एवं हिंदू समाज के बीच समरसता स्थापित करने के लक्ष्य को लेकर हुई थी। इन 100 वर्षों के अपने कार्यकाल में संघ ने हिंदू समाज को एकजुट करने में सफलता तो हासिल कर ही ली है साथ ही विशेष रूप से समाज की सज्जन शक्ति में राष्ट्रीयत्व का भाव पैदा करने में सफलता अर्जित की है। सज्जन शक्ति समाज की वह शक्ति है कि जिनकी बात समाज में गम्भीरता से सुनी जाती है एवं उस पर अमल करने का प्रयास भी होता है। संघ ने अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु शाखाओं की स्थापना की थी। इन शाखाओं में देश की युवा पीढ़ी में राष्ट्रीयत्व का भाव जगाकर ऐसे स्वयंसेवक तैयार किए जाते हैं जो समाज के बीच जाकर देश के आम नागरिकों में राष्ट्र भावना का संचार करते हैं एवं समाज के बीच समरसता का भाव पैदा करने का प्रयास करते हैं।

संघ द्वारा स्थापित की गई शाखाओं की कार्यपद्धति पर आज विश्व के अन्य कई देशों में शोध कार्य किए जाने के बारे में सोचा जा रहा है कि किस प्रकार संघ द्वारा स्थापित इन शाखाओं से निकला हुआ स्वयंसेवक समाज परिवर्तन में अपनी महती भूमिका निभाने में सफल हो रहा है और पिछले लगातार 100 वर्षों से इस पावन कार्य में संलग्न है। हाल ही में, दिनांक 14 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक (44 दिन) प्रयागराज में लगातार चले एवं सफलतापूर्वक सम्पन्न हुए महाकुम्भ के मेले में पूरे विश्व से 66 करोड़ से अधिक हिंदू धर्मावलम्बियों ने पवित्र त्रिवेणी में आस्था की डुबकी लगाई। इतनी भारी संख्या में हिंदू समाज कभी भी किसी महान धार्मिक आयोजन में शामिल नहीं हुआ होगा और संभवतः पूरे विश्व में कभी भी इस तरह का आयोजन सम्पन्न नहीं हुआ होगा। इस महाकुम्भ में समस्त हिंदू समाज एकजुट दिखाई दिया, न किसी की जाति, न किसी का मत, न किसी के पंथ का पता चला। बस केवल सनातनी हिंदू हैं, यही भावना समस्त श्रद्धालुओं में दिखाई दी। इसी का प्रयास राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पिछले 100 वर्षों से करता आ रहा है।

संघ द्वारा आज न केवल भारतीय हिंदू समाज को एकता के सूत्र में पिरोए जाने का कार्य किया जा रहा है बल्कि पूरे विश्व में अन्य देशों में निवासरत भारतीय मूल के हिंदू समाज के नागरिकों को भी एक सूत्र में पिरोए जाने का प्रयास किया जा रहा है। यह कार्य संघ के स्वयंसेवकों द्वारा संघ की शाखा में प्राप्त प्रशिक्षण के बाद सम्पन्न किया जाता है। संघ द्वारा संचालित शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 के 73,117 से बढ़कर वर्ष 2025 में 83,129 हो गई है। इन शाखाओं के लगने वाले स्थानों की संख्या भी वर्ष 2024 में 45,600 से बढ़कर 51,710 हो गई है। विद्यार्थियों में राष्ट्रीयता की भावना जगाने के उद्देश्य से विशेष रूप से विद्यार्थियों के लिए विद्यार्थी संयुक्त शाखाएं भी देश के विभिन्न भागों में लगाई जाती हैं। विद्यार्थी संयुक्त शाखाओं की संख्या 17 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 20224 में 28,409 से बढ़कर वर्ष 2025 में 33,129 हो गई हैं। इसी प्रकार महाविद्यालयीन छात्रों के लिए भी विशेष शाखाएं लगाई जाती हैं। महाविद्यालयीन (केवल तरुणों के लिए) शाखाओं की संख्या 10 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 5,465 से बढ़कर वर्ष 2025 में 5,991 हो गई है। तरुण व्यवसायी शाखाओं की संख्या भी 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 21,718 से बढ़कर वर्ष 2025 में 24,748 हो गई है, इस शाखाओं में विशेष रूप से तरुणों को शामिल किया जाता है। प्रौढ़ व्यवसायी शाखाओं की संख्या 14 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ वर्ष 2024 में 8,241 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,397 हो गई है एवं बाल शाखाओं की संख्या भी वर्ष 2024 में 9,284 से बढ़कर वर्ष 2025 में 9,864 हो गई है। बाल शाखाओं में छोटी उम्र के बालकों को शामिल किया जाता है।

उक्त वर्णित शाखाओं के माध्यम से आज संघ का देश के कोने कोने में विस्तार सम्भव हुआ है। संघ की दृष्टि से देश भर में कुल खंडों की संख्या 6,618 है। इनमें से शाखायुक्त खंडों की संख्या वर्ष 2024 में 5,868 थी जो वर्ष 2025 में बढ़कर 6,112 हो गई है। साथ ही, कुल 58,939 मंडलों में से 30,770 मंडलों में संघ की शाखा लगाई जा रही है। देश भर में महानगरों के अतिरिक्त कुल 2,556 नगर हैं। इन नगरों में से 2,476 नगरों में संघ की शाखा पहुंच गई है।

प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार को लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है। सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है।

ऐतिहासिक निर्णयों ने उत्तर प्रदेश राज्य की दशा और दिशा को बदलने में निभाई महत्वपूर्ण भूमिका

योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार ने अपने 8 साल के कार्यकाल में अब तक कई ऐतिहासिक निर्णय लिए, जिन्होंने राज्य की दशा और दिशा को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लव जिहाद के खिलाफ कानून हो या फिर नकल और पेपर लीक पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कानून, महिलाओं के सम्मान और स्वावलंबन को सुनिश्चित करने के लिए मिशन शक्ति की पहल हो या फिर किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली देने का निर्णय इन सभी के दीर्घ प्रभाव देखने को मिल रहे हैं। इन निर्णयों ने यह भी साबित किया कि उत्तर प्रदेश में वो सरकार काबिज है, जिसके पास नीयत भी है और नीतियां भी। योगी सरकार के 8 साल में 8 महत्वपूर्ण निर्णयों पर एक नजर...

2. मिशन शक्ति की शुरुआत

अक्टूबर 2020 में शुरू हुआ मिशन शक्ति अभियान महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन पर केंद्रित है। इसके तहत एंटी-रोमियो स्क्वाड ने छेड़छाड़ के 32 हजार से अधिक मामलों में कार्रवाई की। कन्या सुमंगला योजना के तहत 22 लाख से ज्यादा बेटियों को आर्थिक मदद दी गई। 112 और 181 जैसी हेल्पलाइन ने आपात स्थिति में सहायता प्रदान की।

3. किसानों को सिंचाई के लिए मुफ्त बिजली

किसानों के हित को ध्यान में रखते हुए योगी सरकार ने विगत वर्ष उत्तर प्रदेश के निजी नलकूप उपभोक्ताओं को एक अप्रैल 2024 से बिजली बिल में 100 प्रतिशत छूट का लाभ देने का निर्णय लिया। इस निर्णय को पावर कॉर्पोरेशन ने विधिवत लागू किया। सिंचाई सुविधा के लिए 4 लाख से ज्यादा निजी नलकूपों का संयोजन किया गया। किसानों को विद्युत आपूर्ति के लिए 3 हजार से अधिक ग्रामीण फीडर अलग किए गए। निजी नलकूप कनेक्शन देने में डार्क जोन में लगे प्रतिबंध हटाने से लाखों किसान लाभान्वित हुए।

4. सभी राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स के लिए चिकित्सा सुविधा फ्री

योगी सरकार ने 2022 में उत्तर प्रदेश के राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स व उनके आश्रितों को कैशलेस चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध कराने का निर्णय लिया, जिसका लाभ लाखों लोगों को मिलने लगा। इसके तहत, राज्य कर्मचारियों और पेंशनर्स के स्टेट हेल्थ कार्ड बनाए गए। स्टेट हेल्थ कार्ड में कर्मचारियों व उनके आश्रितों से संबंधित सभी डाटा संरक्षित रखने की सुविधा है। इस हेल्थ कार्ड को दिखाकर वे किसी भी सरकारी अस्पताल में मुफ्त इलाज की सुविधा प्राप्त कर पा रहे हैं।

सुनीता विलियम्स: साहस से छुआ आसमान

सुनीता विलियम्स केवल नौ दिन के लिए अंतरिक्ष की सैर पर गई थीं, लेकिन यह क्या मालूम था कि यह नौ दिन की यात्रा नौ माह और चौदह दिन की हो जाएगी। जाहिर है यात्रा सरल नहीं थी। क्योंकि अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण का अभाव रहता है।

अगर देखना चाहते हो मेरे हौसलों की उड़ान तो आसमान से कह दो कि और ऊँचा हो जाए। ये पंक्तियाँ निश्चित ही ऐसा आभास कराती हैं कि यह असंभव जैसी बात है। क्योंकि आसमान में उड़ने वाली बात किसी ऐसे सपने जैसी ही लगती है, जो पूरा हो ही नहीं सकता। लेकिन व्यक्ति के पास साहस और धैर्य है तो वह असंभव लगने वाले लक्ष्य को भी प्राप्त कर सकता है। भारतीय मूल की बेटी सुनीता विलियम्स ने ऐसा ही एक कीर्तिमान करके दिखाया है। धरती पर रहने वाली सुनीता ने अपने साहस और धैर्य से आसमान को छूने को साहसी कार्य किया है। यह एक ऐसा कीर्तिमान है जो भविष्य के लिए एक मील का पत्थर है। जो अंतरिक्ष विज्ञान के लिए एक दिशा बोध बनेगी। आज अंतरिक्ष विज्ञान जगत के लिए सुनीता विलियम्स एक ऐसा नाम है, जिसके साथ विज्ञान को देने के लिए बहुत कुछ है। जिनकी गाथा कहते कहते लोगों के मुंह थक जाएंगे,

अब सीबीआई पिंजरे का तोता नहीं

विजय तिवारी

उप राष्ट्रपति धनखड़ जी ने भोपाल में राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी में सम्बोधन करते हुए आश्चर्य व्यक्त किया कि कार्यपालिका की नियुक्ति के संबंध में न्यायपालिका को कैसे हम शामिल कर सकते हैं।

उनके तर्क के अनुसार लोकतंत्र में राष्ट्र के तीनों निकायों में शक्ति के विभाजन के अनुसार सीबीआई के डायरेक्टर के चयन में प्रधान न्यायधीश का क्या काम।

उनके अनुसार कार्यपालिका (सरकार) के कार्य सम्पादन में किसी भी प्रकार का हस्तकछेप चाहे वह विधायिका से हो अथवा न्यायपालिका से हो संविधान तथा लोकतंत्र के उसूलों के विरुद्ध है। धनखड़ जी खुद अदालतों मे वकालत कर चुके हैं।

हालांकि वे सफल वकील नहीं रहे। उन्होंने कहा कि संविधान में संशोधन केवल संसद का अधिकार है। एक अनजाने महा न्यायवादी की किताब का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा मेरी समझ से तो संविधान के मूलभूत सिद्धांतों पर बहस की जरूरत हैं।

जगदीप धनखड़ जी संवैधानिक पद के नंबर दोयम पर आसीन हैं। परंतु वे उच्च सदन के सभापति भी हैं। अब वे सांविधानिक रूप से नंबर दो पर होने के बाद राष्ट्रीय विधायिका के सभापति भी हैं।

मेरी तुच्छ बुद्धि के अनुसार यदि सांविधानिक पद पर हैं तब, उन्हें विधायिका और उससे जन्मे व्यवस्थापक से बिल्कुल समान दूरी बना कर रखनी चाहिए।

राज्यसभा में बैठक का संचालन करते हुए उनके व्यवहार और फैसलों को समझा जा सकता है कि वे कितने न्यायप्रिय हैं। विपक्ष के सांसदों ने अनेकानेक बार उन पर न्याय नहीं नहीं करने का आरोप लगाया हैं। सीबीआई को सुप्रीम कोर्ट से बार-बार यह सुनना पड़ा था कि वह सरकारी तोता है। जिसका इशारा था कि सीबीआई की जांच सरकार के समर्थन में ही होती हैं।

वह न्याय पूर्ण नहीं होती हैं। क्यूंकि अधिकतर सरकार अपने किसी स्वामिभक्त अफसर को इस पद पर नियुक्त करती थी।

सुप्रीम कोर्ट की फटकार से केंद्र सरकार ने सीबीआई मुखिया की नियुक्ति में सर्वोच्च अदालत के प्रधान को भी शामिल किया। जिसका अर्थ यह था कि कम से कम अब सीबीआई को पिंजरे का तोता सुप्रीम कोर्ट नहीं कह सकेगी।

लेकिन मोदी सरकार के समय जिस प्रकार जांच एजेंसियों ने सत्ता विरोधियों को निशाना बनाने का काम किया है, उसके बाद ही सत्तारूद दल को वाशिंग मशीन की उपाधि मिल गई है।

श्रीकृष्ण जी को छप्पन भोग लगाए जाने के पीछे गहरे सिद्धांत और लोकमान्यता

छप्पन (56) भोग श्रीकृष्ण को लगाए जाते हैं. हमारे कुछ विचार कर कहते हैं ऐसा कुछ भी नहीं है, वो वही लोग होते हैं, जिनको यह भी पता नहीं होता है कि 56 भोग किस भगवान को लगते हैं, वो पहले यह जान ले 56 भोग श्रीकृष्ण को लगाए जाते हैं. पर इसके पीछे गहरे सिद्धांत और लोकमान्यता हैं, जो इस प्रकार हैं पहर - भारत में पूरे दिन को 24 घंटे के अलावा 8 पहर में बांटा हुआ था. एक पहर 3 घंटे का होता है, जो समय की एक इकाई हैं.ट्ठ*

ट्ठगोकुल का पर्वत (गोवर्धन) - सप्ताह में सात दिन होते हैं यह सबको पता है. एक बार गोकुल में सात दिन तक घनघोर वर्षा हुई और इस वर्षा से गोकुल वासियों को बचाने के लिए श्रीकृष्ण ने 7 दिन तक गोकुल में गोवर्धन पर्वत को अपनी उंगली पर उठाए रखा. इन सात दिनों में श्रीकृष्ण ने कुछ भी नहीं खाया था.ट्ठ

ट्ठभोग - सात दिन बाद जब बरसात रुकी तो सभी गोकुल वासियों ने सोचा हर पहर में खाना खाने वाले श्रीकृष्ण ने इन 7 दिन में कुछ भी नहीं खाया. तब आठवें दिन सबने 7 दिन के एक-एक पहर के हिसाब से श्रीकृष्ण को भोग लगाया.[ट्ठ

सर्वसमावेशी संस्कृति का प्रतीक महाकुंभ

गजेन्द्र सिंह शेखावत

यदि आप भारत के गांव-कस्बों से गुजरें तो ऐसे असंख्य लोग मिल जाएंगे. जो प्रातः स्नान करते समय 'गंगे च यमुने चैव गोदावरी सरस्वती । नर्मदे सिंधु कावेरी जलेऽस्मिन् संनिधि कुरु॥' का मंत्रोच्चार कर रहे होंगे। इस मंत्र का अर्थ है- हे यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु, और कावेरी हमारे जल में उपस्थित होकर इसे पवित्र करो। स्नान के नित्यकर्म में राष्ट्र की सभी पवित्र नदियों का आह्वान यह बताता है कि भारतभूमि के लोगों की नदियों के प्रति कितनी गहरी श्रद्धा है।

विश्व की लगभग सभी सभ्यताओं का जन्म नदी तटों पर हुआ है, लेकिन भारत तो नदी संस्कृति का ही देश है। उत्तर में सिंधु से लेकर दक्षिण में कृष्णा-कावेरी तक और पूर्व में ब्रहमपुत्र से लेकर पश्चिम में नर्मदा तक भारत की ये पुण्य सलिलाएं अनंतकाल से कोटि-कोटि भारतवासियों के जीवन का उद्धार करती रही हैं। ये नदियां माँ की तरह ही हमारा भरण-पोषण करती हैं। हम जब भी समस्याओं में उलझे होते हैं तो इन नदी रूपी माताओं के निकट आकर शांति की तलाश करते हैं और अपनी इहलौकिक यात्रा को समाप्त कर पारलौकिक यात्रा के लिए भी इन्हीं नदियों की गोद में पहुंचते हैं। इन नदियों का न केवल हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक जीवन में विलक्षण महत्व है, अपितु ये सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक तथा अन्य कई रूप से भी सहायक मानी जाती हैं।

यही कारण है कि हमारे धार्मिक ग्रंथों में नदियों को माता का दर्जा दिया गया है। ऋग्वेद के नदी सूक्त से लेकर आधुनिक साहित्य तक, नदियों की महिमा को व्यापक रूप से दर्शाया गया है। महाभारत, मत्स्य पुराण, ब्रह्म पुराण और कालिदास के ग्रंथों में भी नदियों की पवित्रता को रेखांकित किया गया है।

कुंभ महापर्व, नदियों के महात्म्य का ही महापर्व है, जो विविधतता में एकता प्रदर्शित करने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। कुंभ मेला भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं का सबसे बड़ा पर्व है। यह महापर्व खगोल विज्ञान, आध्यात्मिकता, कर्मकांड की परंपराओं और सामाजिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान-विज्ञान की बहुवर्णीयता से सभी को आकर्षित करता है।

अथर्ववेद में उल्लेख मिलता है कि भगवान ब्रह्मा ने हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक चार कुंभ स्थापित किए, जिससे यह आयोजन पवित्र माना जाता है। स्कंद पुराण में कुंभ योग बताते हुए कहा गया है मेषराशिंगते जीवे मकरे चन्द्र भास्करी। अमावास्या तदा योगः कुम्भाख्यस्तीर्थनायके ।। अर्थात जिस समय बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो तथा चंद्रमा और सूर्य मकर राशि पर हों तो उस समय तीर्थराज प्रयाग में कुंभ-योग होता है।

कुंभ का आयोजन समाज, धर्म और संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है। इसमें प्रमुख अखाड़ों के संत, महात्मा और नागा संन्यासी संसार के संपूर्ण कष्टों के निवारण हेतु तथा समाज, राष्ट्र, और धर्म आदि के कल्याण के लिए अमूल्य दिव्य उपदेश प्रदान करते हैं। प्रयाग में कुंभ के तीन प्रमुख स्नान होते हैं—मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी पर। इन तीनों स्नानों में सर्वप्रथम स्नान निर्वाणी अखाड़े का, द्वितीय स्नान निरंजनी अखाडे का और तृतीय स्नान जूना अखाडे का होता है। इसके पश्चात् समस्त संप्रदाय के लोगों का होता है।

कुंभ-पर्व की प्राचीनता के संबंध में तो किसी संदेह कीआवश्यकता ही नहीं, किंतु यह बात अवश्य महत्त्वपूर्ण है कि कुंभ मेले का धार्मिक रूप में श्रीगणेश किसने किया विद्वानों ने यह सिद्ध किया है कि कुंभ मेले के प्रवर्तक आदि शंकराचार्य हैं। उन्होंने कुंभ-पर्व के प्रचार की व्यवस्था धार्मिक संस्कृति को सुदृढ़ रखने के लिए तथा जगत कल्याण की दृष्टि से की थी। उन्हीं के आदर्शानुसार आज भी कुंभपर्व के चारों सुप्रसिद्ध तीर्थों में सभी संप्रदाय के साधु-महात्मागण देश-काल-परिस्थिति अनुरूप लोककल्याण की दृष्टि से धर्म-रक्षार्थ धर्म का प्रचार करते हैं, जिससे सर्वजन कल्याण होता है।

कुंभ का इतिहास कान्यकुब्ज के शासक सम्राट हर्षवर्धन के साथ भी जुड़ा है। हर्षवर्धन कुंभ के अवसर पर प्रयाग में ही रहकर सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन करते और सभी मतावलंबियों के विचार सुनते थे। धार्मिक सहिष्णुता के साथ-साथ महाराज हर्षवर्धन इस अवसर पर अपनी दानशीलता का भी परिचय देते थे। चीनी यात्री ह्वेनसांग के यात्रा विवरण के अनुसार कुंभ में वह अपना सर्वस्व मुक्तहस्त से दान कर देते थे। सम्राट् हर्षवर्धन ने अपना समूचा कोष प्रयाग कुंभ के अवसर पर दान कर दिया। जब दान के लिए कुछ और शेष नहीं रहा, तब उन्होंने अपने वस्त्राभूषण तथा मुकुट तक उतार कर दे दिए। जब शरीर पर वस्त्र भी नहीं बचे तो उनकी बहन राज्यने उन्हें पहनने के लिए वस्त्र दिए। । महाराज हर्षवर्धन के त्याग और दान की यह प्रेरक परंपरा कुंभ में अब तक अक्षुण्ण चली आ रही है।

कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि इसका वैज्ञानिक और ज्योतिषीय पक्ष भी महत्त्वपूर्ण है। जब सूर्य मकर राशि में और गुरु कुंभ राशि में होते हैं, तब स्नान करने से व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। संगम के जल में प्राकृतिक खनिज और औषधीय गुण होते हैं, जिससे यह स्नान शरीर की शुद्धि का माध्यम बनता है।

करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद यहां आधुनिक तकनीक के प्रयोग और कुशल प्रबंधन ने कुंभ मेले को विश्व का सबसे बड़ा और व्यवस्थित आयोजन बना दिया है। स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का ऐसा संगम शायद ही कहीं और देखने को मिले। सरकार और प्रशासन ने इसे पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं, जिससे यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश भी देता है। कुंभ केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और वैश्विक भाईचारे का प्रतीक भी है। यह 'वसुधैव कुटुंबकम्' की भावना को साकार करता है, जहाँ जाति, धर्म और वर्ग से परे सभी श्रद्धालु एक समान होते हैं। यह पर्व हमें आत्मशुद्धि, परोपकार और सामाजिक सद्भाव का संदेश देता है। कुंभ के माध्यम से भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन को वैश्विक स्तर पर पहचान मिलती है। विदेशी पर्यटक यहां भारतीय परंपराओं को समझने और आत्मसात करने आते हैं।

-:: आज का राशिफल ::-

मेष राशि- आपका दिन व्यस्तता से भरा रहेगा। आज आपको पुरानी बातों के झंझट में पड़ने से बचना चाहिए। छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा करने से कुछ लोग आपका विरोध कर सकते हैं,

वृष राशि- आज आपका दिन उमंग से भरा रहेगा। व्यापार को बढानें के कुछ नए तरीके आपके दिमाग में आयेंगे। आप अपनी बातों को अपने पिता से जरूर शेयर करें, इससे जीवन में चल रही परेशानियों का हल मिलेगा।

मिथुन राशि- आज नए कार्यों करने में आपको भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। आपका मन ईश्वर की भक्ति में लगा रहेगा, आप किसी मंदिर जा सकते हैं जहां आपको खुशी मिलेगी।

कर्क राशि- आज आपका दिन व्यस्तता में बीतेगा। बॉस आपको नयी जिम्मेदारी सौंप सकते हैं, जिसे आप पूरी लगन और मेहनत से करेंगे, काम को लेकर आपकी तारीफ होगी। आपके आय के नए स्त्रोत बनेंगे,

सिंह राशि- आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना आपके लिए बेहतर होगा।

कन्या राशि- आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज घर के बड़ो की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको अच्छी खुशखबरी मिलेगी।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज परिवार वालों की सलाह आपके लिये महत्वपूर्ण रहेगी। आज आपके भौतिक सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। छात्र आज कुछ नया करने की कोशिश करेंगे,

वृश्चिक राशि- आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके विरोधी आपके काम की सराहना करेंगे। आज आप अपनी बुद्धिमानी से सब काम संभाल लेंगे।

धनु राशि- आज का दिन आपके लिए व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज रूका हुआ धन वापस मिलेगा, जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और मजबूत होगी।

मकर राशि- आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज ऑफिस में सहयोगी आपके विचारों से प्रभावित होंगे, लेकिन दूसरों के कामों में दखल देने से आपको बचना चाहिए। जीवनसाथी आज आपको खुशियां देंगे।

कुंभ राशि- आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। अचानक हुये धन लाभ से आज अपनी जरुरत का सामान खरीदेंगे। दाम्पत्य जीवन में और मधुरता आएगी। राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है,

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आज शुभ समाचार मिलने के संकेत नजर आ रहे हैं। आपके मन में किसी व्यक्ति की मदद करने का भाव आयेगा। कुछ लोग आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं।

सोमवार को जबरदस्त हंगामे के बाद आज संसद के दोनों सदनों में एक बार फिर से सामान्य कामकाज हुआ। लोकसभा ने वित्त विधेयक 2025 को पारित कर दिया। विपक्षी सांसदों के तमाम संशोधन मतदान के दौरान गिर गए। यह विधेयक वित्तीय वर्ष 2025-2026 के लिए केंद्र सरकार के वित्तीय प्रस्तावों को क्रियान्वित करता है। इसके साथ ही लोकसभा ने राज्यसभा द्वारा पारित बॉयलर्स विधेयक 2024 पर चर्चा की। संसद ने बायलर विधेयक, 2024 को मंजूरी दी।

कुणाल कामरा ने एकनाथ शिंदे को एक गीत के माध्यम से अपमानित करने की कोशिश की, यह गलत है : देवेंद्र फडणवीस

मुंबई (आरएनएस)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सोमवार को कहा कि कॉमेडियन कुणाल कामरा द्वारा एकनाथ शिंदे को लेकर की गई टिप्पणी गलत है। इस तरह की टिप्पणी को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि कॉमेडियन कुणाल कामरा ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को एक गीत के माध्यम से अपमानित करने की कोशिश की है, यह गलत है। हम इसकी निंदा करते हैं, ऐसी चीजों को बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

सीएम ने कहा कि कुणाल कामरा को यह समझना चाहिए कि 2024 के चुनाव में जनता ने साफ कर दिया है कि कौन गद्दार है और कौन खुद्दार है। दिवंगत शिवसेना प्रमुख हिंदू उदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे की विरासत एकनाथ शिंदे के पास है। जनता ने इस पर अपनी मुहर लगा दी है। इसलिए कोई भी स्टैंडअप कॉमेडियन खड़ा होकर उन्हें इस तरह 'गद्दार' नहीं कह सकता। जनता ने यह दिखा दिया है कि जिन्होंने गद्दारी की, जिन्होंने बालासाहेब ठाकरे के विचारों के साथ विश्वासघात किया, उन्हें जनता ने घर भेज दिया है।

उन्होंने कहा, मैं मानता हूं किसी को भी कॉमेडी करने का अधिकार है, व्यंग्य कसने का भी अधिकार है। हमारे ऊपर भी चाहें जितना व्यंग्य कसिए, इसमें किसी को भी कोई दर्द नहीं है। लेकिन अगर कोई जानबूझकर इतने बड़े नेताओं को अपमानित और बदनाम करता है, तो मुझे लगता है कि इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जो भी कानूनी कार्रवाई होगी, वह उसके खिलाफ की जाएगी।

सीएम फडणवीस ने कहा कि कुणाल कामरा को माफी मांगनी चाहिए। जिस तरह से वे संविधान का फोटो दिखाकर एक्स पर पोस्ट कर रहे हैं, यह वही लाल संविधान है जिसे राहुल गांधी दिखाते हैं। यह संविधान न तो राहुल गांधी और न ही कुणाल कामरा ने पढ़ा है। ऐसे संविधान की तस्वीर लेकर आप अपनी गलती को सही नहीं ठहरा सकते, क्योंकि इसी संविधान में कहा गया है कि सबकी आज़ादी का सम्मान होना चाहिए, लेकिन इसकी भी सीमाएं हैं। जब यह आज़ादी दूसरों की आज़ादी पर आक्रमण करती है, तो ऐसी स्वतंत्रता पर मर्यादाएं भी आती हैं। आप दूसरों की आज़ादी या उनके विचारों पर आक्रमण नहीं कर सकते। इसलिए राहुल गांधी का संविधान दिखाकर आप अपने गलत कामों से नहीं बच सकते।

ओछी पब्लिसिटी के लिए कुणाल कामरा ने सारी हदें पार कर दीं - राम कदम

मुंबई (आरएनएस)। कुणाल कामरा का उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर किए गए कटाक्ष को भाजपा विधायक राम कदम ने 'ओछी पब्लिसिटी' करार दिया है। उन्होंने कहा कि कुणाल कामरा जिस प्रकार की भाषा और बर्ताव देश के शीर्ष नेता और पत्रकारों के लिए करते हैं, अब समय आ गया है वह जहां मिलें उन पर कालिख पोत दी जाए। राम कदम ने कहा, ओछी पब्लिसिटी पाने के चक्कर में कुणाल कामरा अब सारी हदें पार कर चुके हैं। वह जब भी चाहें, जब भी उनका मन करे, किसी के लिए भी अभद्र भाषा का इस्तेमाल करते हैं। उन्हें क्या हो गया है? एकनाथ शिंदे महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री हैं, वह सम्मानित व्यक्ति हैं। क्या यह महाराष्ट्र की भूमि का अपमान नहीं है? कुणाल कामरा ने किसकी सुपारी ली है? उद्धव ठाकरे कंपनी की? क्या कारण था?

उन्होंने आगे कहा, क्या दिशा सालियान केस में ठाकरे परिवार का नाम आ रहा था, उससे ध्यान भटकाने के लिए यह समय चुना गया? क्या कारण था? जिस प्रकार की भाषा और जिस प्रकार का बर्ताव देश के शीर्ष नेता और पत्रकारों के लिए कुणाल कामरा ने किया है, अब समय आ गया है कि जहां मिलें, उन पर कालिख लगाई जाए। महाराष्ट्र सरकार उन पर कड़ी से कड़ी कार्रवाई करेगी। कुणाल कामरा को चेतावनी है कि आप कलाकार हैं, आप अपनी अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर किसी भी व्यक्ति के बारे में अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

बता दें कि कुणाल कामरा ने अपने कॉमेडी शो में एक गीत के जरिए बिना नाम लिए एकनाथ शिंदे पर तंज कसा था।

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने ओडिशा के पुरी में जगन्नाथ मंदिर में पूजा की.

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता नई दिल्ली में 8वीं दिल्ली विधानसभा के पहले सत्र के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री और दिल्ली विधानसभा में विपक्ष की नेता (एलओपी) आतिशी का अभिवादन करती हुई.

बीमारू राज्य से अर्थ शक्ति बनकर उभरा यूपी : सीएम योगी

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के आठ वर्ष पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में पत्रकार वार्ता की। इस दौरान उनके साथ दोनों उप मुख्यमंत्री, मंत्री और संगठन के तमाम वरिष्ठ नेता मौजूद हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले यूपी को बीमारू राज्य माना जाता था। लेकिन आज अर्थ शक्ति बनकर उभरा है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पहले दंगे व आतंक को लोगों ने देखा। आठ वर्ष पहले यूपी बीमारू राज्य माना जाता था। आज वही प्रदेश अर्थ शक्ति के रूप में उभरा है। पहले यूपी विकास का ब्रेकर माना जाता था। आज वही प्रदेश विकास का उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश वही है, जनता वही है, सिस्टम वही है, सिर्फ सरकार बदलने मात्र से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आठ वर्ष पहले उत्तर प्रदेश की स्थिति क्या थी, आप सभी जानते हैं कि यहां की अर्थव्यवस्था और इंफ्रास्ट्रक्चर क्या था, यह किसी से छिपा नहीं है। यही प्रदेश है, जहां किसान आत्महत्या करता था। युवाओं के सामने पहचान का संकट था। इसी प्रदेश में दंगा व अराजकता था। इन्हें प्रदेश ने झेला था। प्रदेश और तंत्र वही है, केवल सरकार बदलने से व्यापक बदलाव कैसे होता है, इसको महसूस किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा कार्यक्रमों का क्रियान्वयन किया गया, उसकी वजह से जो प्रदेश बीमारू था, आज वही प्रदेश देश की अर्थव्यवस्था का ग्रोथ इंजन के रूप में जाना जा रहा है। आज प्रत्येक सेक्टर में प्रदेश देश के विकास में ब्रेक थ्रू के रूप में देखा जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूपी प्राचीन समय से ही कृषि प्रधान रहा। हमारे पास प्रकृति की ओर से प्रचुर मात्रा में अवसर था, हम इसको आगे बढ़ सकते थे। 2017 के पहले किसान आत्महत्या करता था, कृषि सेक्टर में एक वीरानी छाई हुई थी। आज व्यापक बदलाव हुए, कृषि विकास दर 13.5 फीसदी से अधिक हुई, इससे प्रदेश के जीडीपी में 28 फीसद की बढोत्तरी हुई, इसकी शुरुआत हमारी पहली कैबिनेट ने किया था। 36 हजार करोड़ रुपये की कर्जमाफी की गई। उन्होंने कहा कि 2017 से 2023 तक हमने ढाई गुना ज्यादा गेहूं की खरीदारी की। 43 हजार 424 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया। इसी प्रकार धान की खरीदारी के लिए 88 हजार 746 करोड़ डीबीटी के माध्यम से दिया गया। सरकार ने 32 लाख हेक्टेयर से अधिक भूमि को बाढ़ से बचाने का कार्य किया गया। योगी ने कहा कि प्रदेश में निराश्रित गोवंश के लिए 7700 से अधिक गो आश्रय स्थलों में 12 लाख 50 हजार से अधिक गोवंश का संरक्षण सरकार कर रही है, साथ ही सहभागिता योजना के माध्यम से 1 लाख 5 हजार पशुपालकों को 1 लाख 63 हजार गोवंश उनकी सुपुर्दगी में दिया गया है। जिसके लिए सरकार 1500 रुपये प्रति गोवंश प्रति माह कर रही है।

नागपुर हिंसा के मास्टरमाइंड फहीम खान के घर चला बुलडोजर, सुबह ही प्रशासन ने लिया ऐक्शन

नागपुर (आरएनएस)। नागपुर में बीते सप्ताह दंगे भड़क गए थे। इसमें एक दर्जन पुलिसकर्मी घायल हुए और करीब इतने ही नागरिक जख्मी हो गए थे। इस घटना में बड़ी संख्या में गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया था, जबकि दुकानों में भी आग लगाई गई और तोड़फोड़ की गई थी। पुलिस का कहना है कि इस हिंसा का मास्टरमाइंड फहीम खान नाम का शख्स था, जिसके घर पर आज बुलडोजर चला है। नागपुर महानगरपालिका की टीम आज सुबह ही बुलडोजर लेकर फहीम खान के घर पर पहुंच गई। इस दौरान बड़े पैमाने पर सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया गया था। बता दें फहीम खान पेशे से बुर्का विक्रेता है। माना जा रहा है कि उसने कुछ वीडियो जारी किए थे और उत्तेजक बयान दिए थे, जिससे लोग भड़के और उन्होंने नागपुर शहर में उपद्रव काट दिया। फहीम खान को पुलिस ने बीते मंगलवार को ही अरेस्ट कर लिया था और उसे अदालत में पेश किया गया था।

नागपुर हिंसा को लेकर फहीम खान समेत कुल 6 लोगों के खिलाफ पुलिस ने देशद्रोह का मुकदमा दर्ज किया था। फहीम खान माइनॉरिटी डेमोक्रेटिक पार्टी नाम के दल का शहर प्रमुख रहा है। वह कई बार पुलिस को लेकर भी आपत्तिजनक टिप्पणी करता रहा है।

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने नई दिल्ली में बोर्ड ऑफ ट्रस्टीज के अध्यक्ष फ्रेड होचबर्ग और सीईओ राजदूत स्टुअर्ट डब्ल्यू. हॉलिडे के नेतृत्व में मेरिडियन इंटरनेशनल सेंटर के एक प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की।

बिहार में शराबबंदी पूरी तरह से नाकाम, युवा हो रहे बर्बाद : आरके सिंह

आरा (आरएनएस)। बिहार में शराबबंदी को लेकर बहस फिर से गरमा गई है। पूर्व केंद्रीय मंत्री और आरा से भाजपा के पूर्व सांसद आरके सिंह ने नीतीश कुमार सरकार की शराबबंदी नीति को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने इसे पूरी तरह नाकाम करार देते हुए तुरंत हटाने की मांग की है।

आरके सिंह का कहना है कि इस नीति से न सिर्फ युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ा है, बल्कि पुलिस और प्रशासन भी इसके चलते गलत दिशा में जा रहे हैं। आरा के बड़हरा प्रखंड में एक किसान संगठन के कार्यक्रम में बोलते हुए आरके सिंह ने कहा, शराबबंदी का एकमात्र फायदा नशा बंद करना था, लेकिन यह फेल हो गया। आज युवा अवैध शराब के धंधे में फंस रहे हैं और नशे की लत बढ़ रही है। इसे हटाना ही बेहतर है।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस शराब माफियाओं को पकड़ने में उलझी रहती है, जिससे दूसरी समस्याओं पर ध्यान नहीं दिया जा रहा। उनके मुताबिक, शराबबंदी के नाम पर सिर्फ दिखावा हो रहा है, जबकि धरातल पर हालात बदतर हैं।

आरके सिंह ने नीतीश सरकार पर तंज कसते हुए कहा कि शराबबंदी को लागू करने का तरीका गलत है।

मुंबई एयरपोर्ट पर एयरलाइन से भिड़ीं 'बिग बॉस' फेम मनारा चोपड़ा, जमकर किया हंगामा

मुंबई (आरएनएस)। 'बिग बॉस 17' में नजर आ चुकीं अभिनेत्री मनारा चोपड़ा एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार वजह बनी है उनकी एक एयरलाइन के साथ हुई बहस। मनारा चोपड़ा ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर कई वीडियो साझा किए, जिसमें वह एक एयरलाइन पर जमकर गुस्सा करती हुई दिखाई दीं। उन्होंने दावा किया कि एयरलाइन कर्मचारियों ने उन्हें फ्लाइट में चढ़ने नहीं दिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया, जिसके बाद मनारा को ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ा।

मनारा चोपड़ा ने अपने वीडियो में बताया कि वह समय पर मुंबई एयरपोर्ट पहुंच गई थीं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें जयपुर जाने वाली फ्लाइट में बोर्ड करने की अनुमति नहीं दी गई। वीडियो में मनारा परेशान नजर आ रही हैं और एयरलाइन स्टाफ के साथ बहस करती दिख रही हैं। उनका कहना था कि फ्लाइट उनके सामने खड़ी थी, लेकिन स्टाफ ने उनकी बात नहीं सुनी।

इस दौरान, एक अन्य महिला यात्री ने मनारा का समर्थन किया और एयरलाइन कर्मचारियों को फटकार लगाई। उस यात्री ने कहा, मनारा एक सेलिब्रिटी हैं, वह देश की सेवा कर रही हैं। आपको उनकी मदद करनी चाहिए थी। मनारा ने इस पूरे घटनाक्रम को अपने फोन में रिकॉर्ड करके इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर दिया।

जम्मू-कश्मीर : उमर अब्दुल्ला बोले- हालात पर नजर, आतंक का खात्मा सबके साथ से ही मुमकिन

श्रीनगर (आरएनएस)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने घाटी के हालात पर चिंता जताते हुए कहा कि इलाके में आतंकवाद को खत्म करने के लिए सबको साथ मिलकर काम करना होगा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कठुआ, बिलावर, राजौरी और पुंछ जैसे इलाकों में बढ़ती घटनाओं का जिक्र किया। उमर अब्दुल्ला ने कहा, जम्मू के कई इलाके, जैसे कठुआ और बिलावर, निशाने पर हैं। यह सिर्फ इन जगहों तक सीमित नहीं है। राजौरी और पुंछ में भी ऐसी घटनाएं हो रही हैं। कुछ लोग बीच-बीच में कोठियां बनाकर सरहद के पास आए हो सकते हैं। लेकिन, अभी कुछ पक्का कहना जल्दी होगी। पहले देखना होगा कि वहां कोई मिलता है या नहीं। उन्होंने बताया कि कठुआ के हालात अब ठीक हैं। लेकिन, जम्मू बेल्ट को लगातार टारगेट किया जा रहा है। उन्होंने आतंकवाद पर कहा, यह हमारी सीधी जिम्मेदारी नहीं है। लेकिन, मैं बार-बार कहता हूं कि बिना लोगों का साथ लिए आतंक का खात्मा मुमकिन नहीं।

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रायपुर, छत्तीसगढ़ में विधानसभा समिति कक्ष में विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह की अध्यक्षता में आयोजित कार्य मंत्रणा समिति की बैठक में शामिल हुए.

अभिनेत्री कैटरीना कैफ ने प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की अपनी यात्रा के दौरान परमार्थ निकेतन शिविर का दौरा किया.

संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे, जरूरत पड़ने पर बसपा संघर्ष के लिए तैयार : मायावती

लखनऊ (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने सोमवार को आरक्षण के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे और जरूरत पड़ने पर बसपा इसके खिलाफ संघर्ष के लिए भी तैयार है।

इसके साथ ही मायावती ने उत्तर प्रदेश में बीजेपी सरकार के 8 साल को लेकर योगी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार जनता की उम्मीद के हिसाब से खरी नहीं उतरी है। बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया पर सिलसिलेवार एक के बाद एक तीन पोस्ट किए।

बसपा प्रमुख मायावती ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, कांग्रेस, बीजेपी व अन्य किसी भी पार्टी को उनके राजनैतिक स्वार्थ में खासकर आरक्षण को लेकर अपने देश के संविधान को किसी भी कीमत पर बदलने नहीं देंगे तथा जरूरत पड़ने पर इसके विरुद्ध बीएसपी संघर्ष के लिए भी तैयार है।

उन्होंने आगे लिखा, साथ ही, यूपी में बीजेपी सरकार का 8 वर्षों का शासनकाल, जनता की उम्मीद के हिसाब से पूरे तौर से खरा नहीं उतरा है। कानून-व्यवस्था के मामले में तो स्थिति काफी ज्यादा खराब रही है, जिससे जनता काफी दुखी है। इस ओर सरकार जरूर ध्यान दे।

मायावती ने मनुस्मृति को लेकर एक्स पोस्ट में लिखा, मनुस्मृति का बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर को पूरा ज्ञान था। उनकी अनुयायी और बीएसपी की राष्ट्रीय अध्यक्ष को भी इसका पूरा ज्ञान है। तभी इस व्यवस्था के विरुद्ध आवाज उठाकर यहां दुखी और पीड़ितों को अपने पैरों पर खड़ा करने के लिए बीएसपी की स्थापना की गई है, यह भी सर्वविदित है।

उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार के 8 साल पूरे होने पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले यूपी को बीमारू राज्य माना जाता था।

लेकिन, आज यह अर्थ शक्ति बनकर उभरा है। पहले दंगे व आतंक को लोगों ने देखा। पहले यूपी विकास का ब्रेकर माना जाता था। आज वही प्रदेश विकास का उदाहरण बनकर उभरा है। प्रदेश वही है, जनता वही है, सिस्टम वही है, सिर्फ सरकार बदलने मात्र से बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है।

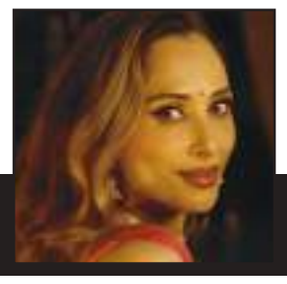

सलमान खान की सिकंदर फिल्म इस समय सबसे ज्यादा सुर्खियां बटौर रही हैं।सलमान खान और रश्मिका मंदाना अभिनीत सिकंदर का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर 23 मार्च को मुंबई में एक भव्य कार्यक्रम में रिलीज़ किया गया - और यह वह सब कुछ है जिसकी प्रशंसकों को उम्मीद थी। हाई-ऑक्टेन एक्शन, सामूहिक क्षणों और शक्तिशाली संवादों से भरपूर, ट्रेलर एक अप्रत्याशित मोड़ के साथ समाप्त होता है जिसने सभी का ध्यान खींचा।

तीन दिग्गज़ निर्देशकों के साथ काम करना चाहती है मधुरिमा तुली

पिछले कुछ वर्षों में मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अपनी जगह पक्की करने के लिए बहुत मेहनत की है। टीवी डेली सोप से लेकर रियलिटी शो, म्यूजिक वीडियो, ओटीटी और यहां तक कि फिल्मों का हिस्सा बनने तक, वास्तव में ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जिसे मधुरिमा तुली ने एक कलाकार के रूप में अभी तक टैप नहीं किया है। मधुरिमा को हमेशा एक कलाकार के रूप में उनकी विश्वसनीयता के लिए जाना जाता है और इसलिए उनके पास शोबिज की दुनिया में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने के लिए सब कुछ है। मधुरिमा, जो पहले बेबी, नाम शबाना और अन्य जैसी सफल परियोजनाओं का हिस्सा रही हैं, से हाल ही में 3 निर्देशकों के बारे में पूछा गया था जिनके साथ वह काम करना चाहती हैं।

इम्तियाज अली: वह व्यक्ति अपने स्वभाव और ऑन-स्क्रीन प्रतिभा के लिए जाना जाता है और जिस तरह से वह मनोरंजन और जीवन के एक टुकड़े के साथ एक सकारात्मक वाइब का मिश्रण करता है, वह वास्तव में दुर्लभ है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि वह हमेशा अभिनेताओं की सूची में उन सपनों के निर्देशकों में से एक के रूप में होते हैं जिनके साथ काम करना चाहिए।

करण जौहर: उनकी फिल्मों में हमेशा जीवन से बड़ा माहौल रहा है, जिसमें सौम्य और फैशन का मिश्रण होता है और उन्हें देश के सबसे बड़े निर्देशकों और निर्माताओं में से एक माना जाता है और उनका सम्मान किया जाता है। उन्होंने अतीत में अपनी फिल्मों के साथ जादू किया है और उनकी नवीनतम सफलता रॉकी और रानी... इसे पार्क से बाहर निकालने में भी कामयाब रही। वह एक नायिका की संवेदनशीलता और भावनाओं को समझते हैं और इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि किसी भी अभिनेत्री के लिए उनके द्वारा निर्देशित फिल्म का हिस्सा बनना पूरी तरह से एक अलग खुशी है।

संजय लीला भंसाली: अंतिम लेकिन निश्चित रूप से कम से कम, हम खुद जादूगर के बारे में बात कैसे नहीं कर सकते? वास्तव में इस देश में कोई अन्य निर्देशक नहीं है जो महिलाओं को पर्दे पर संजय लीला भंसाली की तरह अधिक गरिमा, उत्साह, तेज-तर्रारता और आकर्षण के साथ प्रस्तुत करता हो। सर्वश्रेष्ठ वेशभूषा और सौंदर्य के साथ एक मजबूत कला निर्देशन हमेशा एक निर्देशक के रूप में उनकी ताकत रहा है और इसलिए, कोई भी अभिनेत्री अपने जीवन के लिए उन पर भरोसा कर सकती है अगर उन्हें उनके द्वारा निर्देशित होने का अवसर मिलता है। कोई आश्चर्य नहीं, वह उसकी इच्छा सूची में बहुत अधिक है। खैर, मधुरिमा के पास जिस तरह की प्रतिभा और क्षमता है, उसे वास्तव में सर्वश्रेष्ठ में से सर्वश्रेष्ठ के साथ काम करने की जरूरत है क्योंकि जहां तक प्रदर्शन का संबंध है, केवल उन्हीं के पास उससे सर्वश्रेष्ठ निकालने की क्षमता होगी।

बॉक्स ऑफिस पर नहीं रुक रही छावा की आंधी, 400 करोड़ के करीब विक्की कौशल की फिल्म

वैलेंटाइन डे के मौके पर रिलीज हुई विक्की कौशल की छावा पर दर्शक खूब प्यार लुटा रहे हैं. छत्रपति संभाजी महाराज की वीरता की गाथा लोगों के दिलों में छा गई है साथ ही फिल्म बॉक्स ऑफिस पर भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है. दूसरे संडे से पहले ही फिल्म ने वर्ल्डवाइड 300 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया था और अब फिल्म ये वीकेंड खत्म होने तक 400 करोड़ का आंकड़े से कुछ कदम ही दूर है. विक्की कौशल की फिल्म ने रिलीज के 9वें दिन 87.23त्न की बढ़ोतरी दर्ज करते हुए 44 करोड़ की कमाई की है. इसके साथ फिल्म नौ दिनों में 286.75 करोड़ का घरेलू कलेक्शन कर लिया है. वर्ल्डवाइड कलेक्शन का आंकड़ा अभी सामने नहीं

खूबसूरत साड़ी पहन सान्या मल्होत्रा ने दिखाई दिलकश अदाएं, कातिलाना अदाओं से इंटरनेट पर लूटी लाइमलाइट

बॉलीवुड एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा अक्सर अपनी खूबसूरती से फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचती रहती हैं। वो जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो चंद ही मिनटों में वायरल होने लगती हैं। अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक में फोटोशूट करवाया है। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं।

दंगल गर्ल के नाम से मशहूर एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया हुआ है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट की तस्वीरें फैंस के बीच साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनकी दिलकश अदाएं देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

सान्या मल्होत्रा ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान बेहद ही खूबसूरत पिंक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो काफी सुंदर और हसीन नजर आ रही हैं। उनका यह कातिलाना अंदाज देखकर फैंस एक बार फिर से दीवाने हो गए हैं।

बालों को बांधकर, सटल बेस मेकअप कर के एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा ने अपने आउटलुक को बेहद ही शानदार तरीके से निखारा है। उनका ये स्टनिंग अवतार इंटरनेट पर बवाल मचा रहा है।

इंडियन हो या वेस्टर्न आउटफिट एक्ट्रेस सान्या मल्होत्रा अपने हर एक लुक में बेहद खूबसूरत नजर आती हैं। फैंस भी उनके हर एक लुक को काफी फॉलो करते हैं।

सान्या मल्होत्रा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इंस्टाग्राम पर उनकी फैन फॉलोइंग लिस्ट भी काफी जबरदस्त है।

यो यो हनी सिंह ने मैनियाक में लगाया पंजाबी और भोजपुरी का तड़का, ईशा गुप्ता ने बिखेरा जलवा

यो यो हनी सिंह ने टी-सीरीज और भूषण कुमार के साथ मिलकर एक और दमदार ट्रैक मैनियाक बनाया है. इस बेहतरीन गाने को ईशा गुप्ता पर फिल्माया गया है. हनी ने खुद इस गाने को कंपोज किया है खास बात ये है इसमें पंजाबी के साथ भोजपुरी का तड़का लगाया गया है जो दर्शकों के लिए एक अलग एक्सपीरियंस है. अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर इस गाने को शेयर करते हुए यो यो हनीं सिंह ने कैप्शन लिखा, कोई नियम नहीं, बस पागलपन. मैनियाक में गाया गया भोजपुरी वर्जन रागिनी विश्वकर्मा ने गाया है. इसके अलावा, यो यो हनी सिंह ने मेलोडी के उस्ताद शैल ओसवाल के साथ भी कोलेब किया है. गाने की खास बात यही है कि इसमें पंजाबी के साथ भोजपुरी का तड़का लगा है. इसमें ईशा गुप्ता अपनी अदाओं का जलवा बिखेरते नजर आ रही हैं.

यो यो हनी सिंह ने ब्लू आइज, अंग्रेजी बीट, ब्राउन रंग जैसे कई हिट ट्रैक दिए हैं. लेकिन कुछ सालों से हनी सिंह फिजिकल हेल्थ के चलते इंडस्ट्री से गायब थे. अब जब वे वापस लौटे हैं तो फैंस उनके तगड़े कमबैक का इंतजार कर रहे हैं. हनी सिंह ने वापस आने के बाद कई गानें बनाए, अब हाल ही में उन्होंने मैनियाक रिलीज किया जिसमें उन्होंने एक नया एक्सपेरिमेंट किया है. गाने में पंजाबी और भोजपुरी तड़के ने फैंस को सरप्राइज कर दिया. लोग गाने की खूब तारीफ कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, इसे कहते हैं कमबैक. एक ने लिखा, हनी पाजी यूपी और बिहार की तरफ से आपका धन्यवाद. एक ने कमेंट किया, आपके जैसा कोई नहीं यो यो हनी सिंह. यो यो हनी सिंह की हाल ही में एक डॉक्यूमेंट्री नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई. जिसमें उन्होंने अपनी लाइफ के सारे स्ट्रगल और जर्नी के बारे में बताया. उनके डाउनफॉल से लेकर उनकी सफलता तक उनकी यात्रा के बारे में दिखाया. दूसरी ओर, हनी सिंह ने पूरे भारत में अपने मिलियनेयर टूर की शुरुआत कर दी है. उनका पहला कॉन्सर्ट शनिवार रात को मुंबई में हुआ और उसके बाद दिल्ली, अहमदाबाद, बेंगलुरु और कोलकाता सहित 10 शहरों में वे परफॉर्म करेंगे.

सनम तेरी कसम ने रचा इतिहास, तुम्बाड को पछाड़ बनी बिगेस्ट री-रिलीज फिल्म

वैलेंटाइन वीक की शुरुआत में 7 फरवरी को सिनेमाघरों में री-रिलीज हुई सनम तेरी कसम ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है. हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की म्यूजिकल रोमांटिक फिल्म 50 करोड़ का आंकड़ा छूने वाली पहली री-रिलीज बन गई है. इसके आसपास और साथ में कई फिल्में रिलीज हुईं लेकिन सनम तेरी कसम की कमाई और दर्शकों के प्यार पर इसका कोई असर नहीं पड़ा.

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की रोमांटिक फिल्म दर्शकों को थिएटर तक लाने में कामयाब रही. फिल्म ने री-रिलीज होने के 20 दिन के अंदर ही दुनियाभर में 50 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया है. फिल्म ने वर्ल्डवाइड 53 करोड़ की कमाई कर ली है. घरेलू कलेक्शन की बात करें तो फिल्म ने इंडिया में नेट 41.05 करोड़ का कलेक्शन किया है. इस कलेक्शन के साथ ही फिल्म ने तुम्बाड की री-रिलीज को भी पीछे छोड़ दिया है. तुम्बाड ने री-रिलीज में वर्ल्डवाइड 52.25 करोड़ का कलेक्शन किया था और इंडिया में इस फिल्म ने 32 करोड़ कमाए थे.

हर्षवर्धन राणे और मावरा होकेन की सनम तेरी कसम साल 2016 में रिलीज हुई थी लेकिन उस वक्त यह फ्लॉप रही. फिल्म का बजट 14 करोड़ है वहीं फिल्म का घरेलू लाइफटाइम कलेक्शन 9.1 करोड़ था. फिल्म की री-रिलीज ने इस कलेक्शन को 2 दिन में ही धूल चटा दी थी. फिल्म की री-रिलीज ने दो दिन में ही 11.36 करोड़ का कलेक्शन कर लिया था.

2016 में यह फिल्म फ्लॉप रही थी लेकिन 9 साल इसकी री-रिलीज ने थिएटर्स में धमाल मचा दिया है. जिसका क्रेडिट ओटीटी और टेलिविजन को दिया जा रहा है. क्योंकि इन्हीं प्लेटफॉर्म से फिल्म को पॉपुलैरिटी मिली औरलोग सिनेमाघरों की ओर खींचे चले गए. वहीं माउथ पब्लिसिटी ने भी फिल्म की री-रिलीज को सफल बनाने में बड़ा रोल निभाया है.

वैलेंटाइन में इस फिल्म के साथ लवयापा और बैडएस रविकुमार जैसी फिल्में भी रिलीज हुई लेकिन इनका इस पर कोई असर नहीं पड़ा. वहीं 14 फरवरी को छावा जैसी बड़ी फिल्म रिलीज होने के बावजूद सनम तेरी कसम का क्रेज बरकरार रहा और यह बिगेस्ट री-रिलीज बनने में कामयाब हुई.

राणा दग्गुबाती-प्रियदर्शी की फिल्म को मिला टाइटल, आनंदी-सुमा कनकला भी आएंगे नजर

फिल्म लीडर से अपने अभिनय की शुरुआत करने वाले साउथ अभिनेता राणा दग्गुबाती ने बाहूबली में भल्लालदेव के किरदार से दर्शकों के बीच अमिट छाप छोड़ी है। राणा जल्द ही प्रियदर्शन की फिल्म में नजर आएंगे, जिसका टाइटल नाम सामने आ चुका है।

अप्रैल 2024 में, श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी (एसवीसीएलएलपी) ने प्रियदर्शी अभिनीत एक रोमांचक नई परियोजना की घोषणा की जा चुकी है, लेकिन उसका टाइटल तय नहीं हुआ था। यह फिल्म अब चर्चा में है क्योंकि निर्माताओं ने इसके शीर्षक का खुलासा किया है। फिल्म का टाइटल है प्रेमांटे। टैगलाइन थ्रिल-यू प्रारिस्तु के साथ, फिल्म में आनंदी मुख्य महिला भूमिका में हैं, जबकि लोकप्रिय तेलुगु एंकर सुमा कनकला एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रेमांटे का परिचय। थ्रिलर फिल्म है।

लड़कियां हाई हील्स पहनते समय अपनाएं ये टिप्स, दिखेंगी स्टाइलिश नहीं होगा पैरों में दर्द

हाई हील्स आजकल लड़कियों के लिए फैशन स्टेटस बन चुकी हैं.स्टाइलिश दिखने और कॉन्फीडेंट बूस्ट करने के लिए महिलाएं ट्रेडिंग हाई हील्स पहनती हैं. कुछ लड़कियां डेली लाइफ में हील्स कैरी करती हैं. वहीं कुछ किसी खास मौके पर इन्हें पहनना पसंद करती हैं. ऐसा इसलिए क्योंकि वो कई बार इसमें कंफर्टेबल नहीं हो पाती हैं. हील्स पहनने के बाद उन्हें थोड़ी देर बाद ही पैरों में दर्द और खिंचाव होने लगता है.ऐसे में वो न केवल असहज हो जाती हैं बल्कि हील्स को जल्दी से जल्दी पैरों में से उतारने की कोशिश करती हैं. लेकिन आप कुछ टिप्स अपनाकर इन परेशानियों से बच सकती हैं. इसके साथ ही अपने लुक को इंनहेंस भी कर सकती हैं.

पम्प्स हील्स से करें शुरूआत

अगर आपको हील्स पहनने की आदत नहीं है तो आप पम्प्स हील्स पहनने से शुरुआत करें. पम्प्स हमेशा ट्रेंड में रहती हैं. इसकी खासियत ये है कि पम्प्स लगभग सभी ड्रेसों पर स्टाइलिश लगते हैं. शुरूआत दिनों में हील्स पहनने के लिए हमेशा 2-3 इंच लम्बी हील ही खरीदें. हील्स की आदत पड़ने पर आप 4-5 इंच लम्बी हील्स को ट्राई कर सकती हैं.

पैर दर्द से बचने के लिए सही साइज खरीदें

अगर आप हाई हील्स पहनने के बाद पैर के दर्द से बचना चाहती हैं तो इन्हें खरीदते समय अपने पैरों के साइज पर ध्यान देना न भूलें. इसके लिए किसी अच्छे ब्रांड की हाई हील्स का ही चुनाव करें. अपने साइज के मुताबिक ब्रांडेड हाई हील्स पहनना आपके लिए काफी कंफर्टेबल साबित हो सकता है.

धीरे-धीरे शुरू करें प्रैक्टिस

अगर आपने कभी हाई हील्स नहीं पहनी हैं तो शुरुआत में इन्हें थोड़ी-थोड़ी देर पहनने की आदत डालें. इससे आपका कॉन्फीडेंस भी बढ़ने लगता है. इसलिए किसी मौके पर हाई हील्स पहनने के पहले इसे घर पर पहनकर प्रैक्टिस कर लें. साथ ही हाई हील्स पहनने से पैरों में दर्द होने पर पैरों की सिकाई करें.

पेंसिल की जगह खरीदें ब्लॉक हील

अगर आपको हाई हील्स पहनने की आदत नहीं है तो शुरुआत में पेंसिल की जगह ब्लॉक हील खरीदें. ब्लॉक हील्स काफी आरामदायक होती है. पहली बार में पेंसिल हील पहनना खतरनाक हो सकता है. साथ ही हील्स पहनने के बाद अंगूठे के बजाए एड़ी पर जोर देते हुए चलने का प्रयास करें.

काम के दौरान थकान होने पर लें जापानी इनेमुरी झपकी, जानिए इसका तरीका और फायदे

रोजाना ऑफिस में काम करते-करते थकान होना लाजमी है। इसके कारण ऊर्जा कम हो जाती है, तनाव बढ़ने लगता है और उत्पादकता पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

हालांकि, काम के बीच केवल ब्रेक लेकर थकान को मिटाया नहीं जा सकता है। ऐसे में आप जापान की एक लोकप्रिय प्रथा को अपना सकते हैं, जिसे इनेमुरी झपकी यानि इनेमुरी नैप कहा जाता है।

आइए इसके फायदे और करने का तरीका जानते हैं।

क्या होती है इनेमुरी झपकी?

इनेमुरी भीड़-भाड़ वाली जगहों पर झपकी लेने की एक सदियों पुरानी जापानी तकनीक है। इसके दौरान कर्मचारी अपने-अपने कार्यस्थलों पर ही आराम करते हैं।

यह प्रथा इसलिए शुरू की गई थी, क्योंकि जापान में लंबे समय तक काम करना आम माना जाता है और कर्मचारियों को आराम का समय नहीं मिल पाता है।

इनेमुरी में छोटी-छोटी झपकियां लेना शामिल होता है, जो दिमाग को तारों-ताजा करने और ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करती हैं।

कैसे करें इनेमुरी झपकी का अभ्यास?

इनेमुरी झपकी लेने से पहले अपने मोबाइल में टाइमर लगा लें, ताकि आप देर तक न सो जाएं। अब एक आरामदायक अवस्था में बैठ जाएं और अपनी आखों को बंद कर लें।अपने शरीर और दिमाग को आराम देने के लिए गहरी सांसें लें, जिसके बाद आपको नींद आ जाएगी। 15 से 20 मिनट की झपकी के बाद धीरे-धीरे आखें खोलें और स्ट्रेचिंग करें।

जब आप अपनी झपकी से उठेंगे तो आपको ऊर्जावान और सक्रीय महसूस होगा।

इनेमुरी झपकी के फायदे

इनेमुरी के दौरान छोटी-छोटी झपकियां ली जाती हैं, जो आपको अधिक सतर्क और केंद्रित महसूस करने में मदद कर सकती हैं।

इस प्रथा के जरिए कोर्टिसोल के स्तर को कम किया जा सकता है, जो तनाव पैदा करने वाला हार्मोन होता है।

शब्द सामर्थ्य -337

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. बात, घटना, माजरा, मुकदमा (उर्दू) 3. अलावा, अतिरिक्त 6. प्रेम, इच्छा 7. मां का बच्चे के प्रति प्रेम 8. गलती, जुर्म, गुनाह, दोष 10. मग्न, लीन, खुश, प्रसन्न 12. धनुष, समादेश, फौजी टुकड़ी 13. एक कल्पित पत्थर जो लोहे को छूकर सोना बना देता है 16. हिम्मत, साहस, सामर्थ्य 17. बनावटी, अनुकृति, असली का विलोम 18. अबोध, नासमझ 20. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध हरिभक्त देवर्षि 22. गहरा नीला, काला 23. व्याकुल, बेसब्र 24. मन, चित, आदरसूचक तथा सहमति सूचक एक शब्द।

ऊपर से नीचे

1. स्वामी, नाथ 2. बेबस, मजबूर, विवश 3. अन्याय, अत्याचार, जुल्म 4. मध्य एशिया का एक देश 5. पुस्तक 9. बहादुर, वीर 11. सैनिक विद्रोह 12. नीच, अधम 12 ए. प्रणाम, झुकना 13. भरण-पोषण करना, परवरिश करना, छोटा झूला, हिंडोला 14. प्रमाण, प्रमाणिक कथन 15. स्वाभाविक ढंक, योग्यता, लियाकत, सभ्यता और शिष्टता, शऊर (उ.) 19. बिजली, तड़ित 21. रात में दिखाई न पड़ने का नेत्र संबंधी रोग।

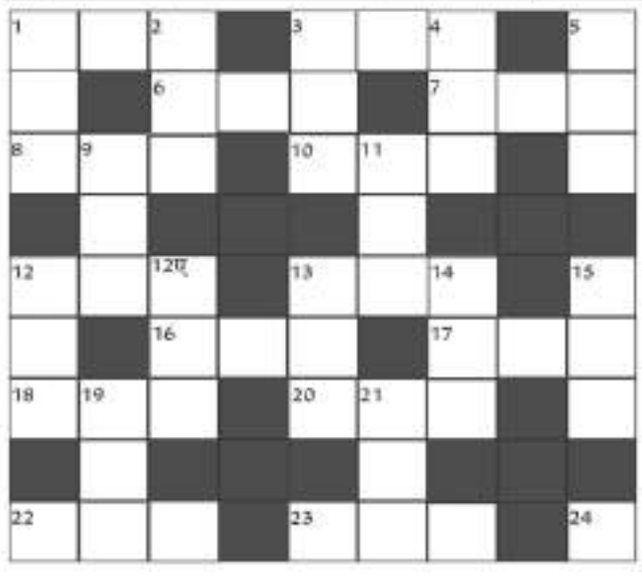

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 336 का हल

प	सं	द	■	सिं	हा	स	न	■
ख	■	म	ज	दू	र	■	का	म
वा	द	क	■	र	■	सं	ब	ल
ड़	■	ल	ज्जा	■	म	स्का	■	य
■	बा	■	■	वि	हा	र	■	■
सु	धा	क	र	■	न	■	■	औ
रं	■	म	■	कि	ता	ब	■	स
ग	■	अ	र	सा	■	हु	ज्ज	त
■	श	क्ल	■	न	मि	त	■	न

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना विजयनगर में मेडिकल कालेज जबलपुर से सूचना मिली कि अरविन्द पिता भुजवल सिंह सोलंकी उम्र 45 साल निवासी छोटी बजरिया थाना गढ़ा की करेन्ट लगाने से इलाज के दौरान मृत्यु हो गई है। सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। विजयनगर में मेडीकल कॉलेज में भर्ती आहूत अरिवन्द राजपूत की मृत्यु की सूचना प्राप्त होने पर बिल्लू कोरी से पूछताछ कर कथन लेख किये जिसमे बिल्लू कोरी ने बताया कि वह अरविन्द राजपूत के साथ मिनोज लोधी के द्वारा बुलाने पर मनोज लोधी का मकान शिवानी प्लाईवुड एसबीआई चौक के पास विजयनगर

स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों के बीच सेवा प्रकल्प के माध्यम से मुख्यमंत्री के स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की - योगेंद्र सिंह

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के जन्मदिवस पर भाजयुमो जबलपुर ने चलाया सेवा प्रकल्प

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के 60 वे जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा सेवा दिवस के रूप में मनाया गया एवं सेवा के विभिन्न प्रकल्प चलाकर अनेकों कार्य किए गए इसी कड़ी में भारतीय जनता युवा मोर्चा जबलपुर महानगर द्वारा भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर के निर्देश पर एवं भाजयुमो अध्यक्ष योगेंद्र सिंह के नेतृत्व में सेठ गोविंददास विक्टोरिया चिकित्सालय में बच्चा वार्ड पहुंचकर स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों एवं परिवार के साथ मिलकर मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस को मनाया गया एवं उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना की।

इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा लगातार सेवा के कार्य किए जा रहे हैं जिसके अंतर्गत युवा मोर्चा द्वारा शासकीय सेठ गोविंददास विक्टोरिया चिकित्सालय में स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों और उनके परिवारों के बीच पहुंचकर उनके लिए खाद्य और पेय सामग्री का वितरण किया गया एवं मुख्यमंत्री जी के यशस्वी और दीर्घायु होने की कामना की। भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगेंद्र सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव हमेशा से ही सेवा और विकास के कार्यों को साथ लेकर आगे बढ़ रहे हैं वो चाहे इनवेस्टर समिट हो,स्किल डेवलपमेंट के प्रोग्राम हो , गौशालाओं का उन्नयन हो या फिर किसानों को राहत प्रदान करना हो हर क्षेत्र में आदरणीय मुख्यमंत्री जी के द्वारा अभूतपूर्व प्रयास किए जा रहे हैं इसलिए हमने मुख्यमंत्री जी के जन्मदिवस को सेवा प्रकल्प के रूप में मनाया एवं सेठ गोविंददास विक्टोरिया चिकित्सालय पहुंचकर बच्चा वार्ड में स्वास्थ्य लाभ ले रहे बच्चों के मध्य खाद्य और पेय सामग्री , गुब्बारे,चॉकलेट आदि लेकर गए एवं अपनी सामर्थ्य के अनुसार सेवा करने का प्रयास किया । सेवा,सुरक्षा संस्कार इन तीनों को साथ लेकर भारतीय जनता पार्टी के निर्देश पर युवा मोर्चा द्वारा सदैव कार्य करने का प्रयास किया जाता है। हमारे मुख्यमंत्री जी को ईश्वर और सामर्थ्यवान बनाए और प्रदेश के 8 करोड़ लोगों के लिए और अधिक क्षमता से वो कार्य करें ऐसी ईश्वर से प्रार्थना है।

इस दौरान अर्णब तिवारी,शरद विश्वकर्मा, अनिकेत रावत, अंकित पाठक, आयुष सिंह ,रनेश खरे, पियूष समदरिया, निक्की रजक, आकाश रजक, रिंकू श्रीवास, ओम तिवारी ,राज रजक निहाल बिरहा, आदर्श आदि पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

करंट से भाई-बहन की हुई मृत्यु पर आयोग ने संज्ञान लेकर मांगा प्रतिवेदन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जिले के सुरैया टोला गांव में खेत के आसपास घूम रहे जानवरों को भगाने गये सगे भाई-बहन की खेत किनारे लगे बिजली खंभे से झुलते तारों से करंट लगने से दोनों की मृत्यु होने की घटना सामने आई है। मृतकों के परिजनों का आरोप है कि बिजली विभाग से शिकायत करने के बावजूद अब तक खंभे से झुलते बिजली तारों को नहीं हटाया गया है, इस कारण दोनों भाई-बहन की मृत्यु हो गई है। मप्र मानव अधिकार आयोग के क्षेत्रीय कार्यालय प्रभारी फरजाना मिर्जा ने बताया कि, समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के आधार पर जनहित में मामले में संज्ञान लेकर मध्यप्रदेश मानव अधिकार आयोग की मुख्यपीठ भोपाल में प्रकरण पर सुनवाई करते हुए, अध्यक्ष मनोहर ममतानी की एकलपीठ ने मानव अधिकारों के हनन का मामला मानकर, म.प्र. पूर्वी क्षेत्र विद्युत वि.क.लि., जबलपुर के कार्य पालन यंत्री से मृतकों के उत्तराधिकारियों को देय आर्थिक मुआवजा तथा घायल बच्चें के इलाज एवं आर्थिक मुआवजा राशि के संबंध में प्रतिवेदन तीन सप्ताह में मांगा है।

60 लीटर कच्ची शराब जप्त

जबलपुर। आदेश के परिपालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर श्री आनंद कलादगी (भा.पु.से.), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन 2 श्री समर वर्मा, नगर पुलिस अधीक्षक ओमती श्री सोनू कुर्मी एवं नगर पुलिस अधीक्षक गढ़ा श्री डी.पी.एस.चौहान के मार्ग निर्देशन में थाना तिलवारा की टीम द्वारा एक आरोपी को 60 लीटर कच्ची शराब के साथ एवं थाना बेलबाग की टीम द्वारा एक आरोपी को 306 पाव देशी शराब के साथ रंगे हाथ पकड़ा गया

भगवान झूलेलाल जी के अवतरण दिवस चेटीचंड पर निकली विशाल साईकिल रैली

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। भगवान झूलेलाल जी के दिवस चेटीचंड महोत्सव के पावन अवसर पर विशाल साईकिल रैली का आयोजन किया गया रैली श्री झूलेलाल मंदिर से प्रारंभ होकर तुलाराम चौक बड़ा फवारा लालगंज सुपर मार्केट होते हुए मालवीय चौक तीन पट्टी चौक मोटर मित्र पेट्रोल पंप के बाजू से होते हुए रसल चौक नौद्र ब्रिज तैयब अली चौक पर्यटन चौक, हाई कोर्ट चौक घंटाघर सिंधु भवन में समापन हुआ इस यात्रा में हजारों की संख्या में सिंधी समाज के सभी महिला, पुरुष,युवा साइकिल से पर्यावरण बचाओ का संदेश देते हुए

सभी युवा आयो लाल झूलेलाल के जयकारे लगाते हुए चल रहे थे इस यात्रा में कैंट विधायक श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी, डॉ डी. पी. लोकवानी द्वारा यात्रा को हरी झंडी दे कर रवाना किया!यात्रा मे दिलीप तलरेजा, राजकुमार कन्धारी,त्रिलोक वासवानी, अर्जुनदास पुरसवानी, रमेश आहूजा, गोविन्द हीरानी, धर्मेन्द्र मंगलानी, प्रकाश आहूजा, विकास नोतनानी, मोटी रतलानी,भरत कुंदवानी,राहुल पुरस्वानी,सोनू लालवानी,तारु खत्री, रितेश मोटवानी, सुधीर भगचंदनी विजय पंजवानी, अजय सुखवानी, आदि उपस्थित थे!

दुर्गा हनुमान मंदिर समिति सरस्वती कॉलोनी की नई कार्यकारणी का गठन

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। मंदिर परिसर सरस्वती कॉलोनी में चैत्र नवरात्रि पर्व के सफल आयोजन हेतु संरक्षक पं.वासुदेव शास्त्री के सानिध्य में एक बैठक का आयोजित की गई,जिसमें मंदिर के विकास और रखरखाव के लिए सर्वसम्मति से अध्यक्ष सहित नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष देवेंद्र नेमा,कार्यकारी अध्यक्ष नवीन नेमा,उपाध्यक्ष अरविंद गुप्ता, विकास चौहान,कोषाध्यक्ष राजेश शर्मा,उप कोषाध्यक्ष प्रशांत गुप्ता,सचिव सुनील ताम्रकार, उप सचिव श्याम कोष्टा,नितिन दुबे,मीडिया प्रभारी संदीप नेमा,आशीष नेमा,मुख्य पुजारी पं.वीरेन्द्र दुबे, कार्यकारिणी सदस्य अरविंद तिवारी,राजीव दुबे, कृष्णकांत शुक्ला,आशीष नेमा,संजय शर्मा,प्रदीप नेमा,सौरभ दुबे, अंकित बहरे,शिशिर बादल, नीरज शर्मा,अमित गुप्ता,संरक्षक पं.वासुदेव शास्त्री,श्री राजेन्द्र तिवारी,रघुनाथ सिंह ठाकुर,कुंजबिहारी सोनी नई कार्यकारणी में सम्मिलित है।

पोषण भी और पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। पोषण भी और पढ़ाई भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित भारत सरकार के निर्देशानुसार कलेक्टर जबलपुर तथा जिला कार्यक्रम अधिकारी जबलपुर के मार्गदर्शन में पोषण 2.0 तथा सक्षम आंगनबाड़ी केंद्र अंतर्गत पोषण भी, पढ़ाई भी के 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रथम बैच दिनाँक 24/03/25 से 26/03/25 का शुभारंभ महिला बाल विकास परियोजना शहरी क्रमांक 4 जबलपुर,में हितकारिणी महिला महाविद्यालय,करमचंद्र चौक में आयोजित किया गया।प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्र को लर्निंग सेंटर के रूप में विकसित करना, प्रारंभिक शिक्षा का विकास, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के क्षमता निर्माण में संवर्धन,0 से 3 वर्ष के बच्चों में प्रारंभिक बाल्यावस्था उद्दीपन तथा 3 से 6 वर्ष के बच्चों हेतु प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल तथा शिक्षा का सुदृणीकरण करना आदि है।प्रशिक्षण के पूर्व परियोजना अधिकारी श्री रीतेश दुबे के मार्गदर्शन में %हितकारिणी महिला महाविद्यालय% के प्राचार्य श्री नीलेश पांडेय जी, स्पोर्ट्स ऑफिसर एवं योगाचार्य श्री दिनेश ठाकुर जी द्वारा आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं का %सूक्ष्म व्यायाम एवं प्राणायाम% विषय पर सत्र का आयोजित किया गया। सत्र के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को तनाव प्रबंधन, स्वस्थ जीवन शैली तथा मानसिक स्थिरता के लिए विविध योग आसन,प्राणायाम,ध्यान के बारे में जानकारी दी गई। कार्यकर्ताओ से उनके स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में चर्चा की गई तथा उनके समाधान हेतु बेहतर उपाय सुझाए गए।कार्यकर्ताओ को संतुलित आहार ,पोषण युक्त खाद्य पदार्थो के उपयोग हेतु सलाह दी गई। सत्र कार्यकर्ताओ के लिए बहुत उपयोगी तथा ज्ञानवर्धक रहा। प्रशिक्षण के दौरान 0 से 3 वर्ष के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था उद्दीपन हेतु विकसित %नव चेतना% तथा 3 से 6 वर्ष के बच्चों में प्रारंभिक बाल्यावस्था देखभाल तथा शिक्षा हेतु विकसित %आधारशिला% करिकुलम पर विस्तार से चर्चा की गई ।आधारशिला फ्रेमवर्क में दिए गए डिसेबिलिटी स्क्रीनिंग के द्वारा विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की पहचान समय से हो सकेगी।नवचेतना 0 से 3 वर्ष तक के बच्चों के लिए प्रारंभिक बाल्यावस्था उद्दीपन संबंधी गतिविधियों का संग्रह है। इसके तहत आरंभिक बाल्यावस्था उद्दीपन से संबंधित 141 गतिविधियां सम्मिलित हैं। 3 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टेट लेवल मास्टर ट्रेनर्स श्रीमती सविता अग्रवाल,श्रीमती पूजा ठाकुर,श्रीमति खुशबू अग्रवाल तथा श्रीमती आरती पांडेय उपस्थित रही। ट्रेनिंग के दौरान अलग-अलग सत्रों के माध्यम से मास्टर्स ट्रेनर द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं में ईसीसीई पाठ्यक्रम तथा शैक्षणिक दृष्टिकोण की बुनियादी समझ विकसित करने के साथ-साथ आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को विकास के आयामों जैसे शारीरिक, सांस्कृतिक/रचनात्मक, सामाजिक, भावनात्मक,बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मकता के मूल्यांकन में क्षमता वृद्धि कर सक्षम बनाना है।

मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड बनाया जाये - जबलपुर चेम्बर

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। देश के व्यापारियों के हितों की रक्षा और खुदरा कारोबार की वृद्धि के लिये हाल में ही सरकार द्वारा राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा किया गया है। यह बोर्ड भारत सरकार द्वारा बनाया गया है और इसके अध्यक्ष सुनील जे. सिंधी को बनाया गया है। राष्ट्रीय कल्याण बोर्ड प्रत्येक प्रदेश में बोर्डों का गठन करने वाला है।

जबलपुर चेम्बर के अध्यक्ष प्रेम दुबे ने राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड से मांग की है कि शीर्घ ही मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन करें ताकि मध्य प्रदेश में सरकार से व्यापारियों के अनुपालन बोझ को कम करने के लिये मध्य प्रदेश सरकार को सुझाव दिये जा सकें। व्यापारियों और कर्मचारियों के लिये बीमा, स्वास्थय, समाजिक सुरक्षा, प्रतिस्पर्द्धा आदि पर सरकार द्वारा नये नियम कानून बनवाये जा सके। प्रदेश के व्यापारी आर्थिक मंदी के दौर से गुजर रहे हैं। सरकार को ऐसी नीति बनाना चाहिए की छोटा व्यापारी अपना जीवन एवं व्यापार सुचारु रुप से कर सकें। मध्य प्रदेश व्यापारी कल्याण बोर्ड मध्य प्रदेश की सरकार और व्यापार के मध्य एक सुचारु संवाद प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाकर व्यापार से संबंधित सभी मुद्दों को हल करने के लिये एक प्रमुख निकाय के रुप में काम करेगा।

जबलपुर चेम्बर के प्रेम दुबे, कमल ग्रोवर, राधेश्याम अग्रवाल, अजय बख्तावर, अजय अग्रवाल, रवि गुप्ता (अध्यक्ष मनेरी उद्योग संघ), मुनींद्र मिश्रा (अध्यक्ष उमरिया डुंगरिया उद्योग संघ), दीपक नोगरैया (अध्यक्ष अनाज तिलहन व्यापारी संघ), राजा सराफ (अध्यक्ष सराफा एसोसिएशन), भीमलाल गुप्ता (अध्यक्ष मुकादमगंज व्यापारी संघ), अजीत साहू (अध्यक्ष सब्जी विक्रेता संघ), मुकेश प्यासी (रिछाई औद्योगिक संघ), सतीश ओसवाल (अधारताल औद्योगिक संघ), निखिल पाहवा (जबलपुर डिस्ट्रीब्यूटर एसोसिएशन), शत्रुघ्न सिंह (हार्डवेयर एंड सेनेटरीवेयर एसोसिएशन), अमित गुप्ता (अध्यक्ष आईटी एण्ड इलेक्ट्रोनिकस एसोसिएशन बरगी हिल्स, जबलपुर), राकेश श्रीवास्तव (अध्यक्ष अधारताल व्यापारी संघ), रजनीश त्रिवेदी, जितेन्द्र पचौरी, शशिकांत पांडेय, जुगल किशोर तिवारी, अनंत अग्रवाल, उमेश ग्रावकर, आदि ने अपील की है कि अर्थव्यवस्था को चलाने में खुदरा व्यापारी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इनके उत्थान और विकास के लिए तत्काल मध्य प्रदेश में व्यापारी कल्याण बोर्ड का गठन किया जाये।

छठवें वेतनमान के आधार पर ओवर टाइम की गणना कर भुगतान का विकल्प भर सकेंगे आयुध कर्मी

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर कैट न्यायालय में आयुध निर्माणी जबलपुर की विभिन्न यूनियन, एसोसिएशन एवं वयक्तिगत कुल 38 याचिका दायर की गई थी। गौरतलब है कि सभी एक ही मांग की थी कि छठवें वेतनमान के आधार पर ओटी/ओटीबी कैलकुलेशन में एच आर ए, टी ए, एस ए एफ जोड़कर गणना कर भुगतान किया जाए। सुरक्षा कर्मचारी यूनियन इंटक के महामंत्री आनंद शर्मा ने बताया कि कामन याचिका पर माननीय कैट ने आवेदक के पक्ष में फैसले का आर्डर करते हुए स्पष्ट किया कि यूनियन कर्मचारियों से एफिडेविट लेकर प्रबंधन को देगी चूंकि मामला सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन है इसलिए यह प्रक्रिया आवश्यक है। इस संबंध में ज्ञात हो कि दिनांक 26.06.2009 से कर्मचारियों की ओटी/ओटीबी कैलकुलेशन में एच आर ए,टी ए,एस ए एफ अलग कर दिया गया था जिस पर यह मांग थी कि दिनांक 01.01.2006 यानि छठवें वेतनमान के आधार पर गणना कर भुगतान किया जाए। यूनियन के अरूण दुबे आनंद शर्मा अखिलेश पटेल राकेश शर्मा अनुपम भौमिक धर्मेंद्र रजक महेंद्र रजक ह्रदेश यादव जीजो जेकब अनिल गुप्ता ने इसे सभी कर्मचारियों की जीत बताते हुए बधाई दी।

हितकारिणी महिला महाविद्यालय में सात्माहिक नि:शुल्क योग शिविर का उद्घाटन आज

जबलपुर हितकारिणी महिला महाविद्यालय में महिलाओं हेतु 7 दिवसीय योग शिविर का उद्घाटन आज

दिनांक 26 मार्च 2025 को प्रात: 8 बजे से प्राचार्य डा निलेश पांडे जी की उपस्थिति में किया जाएगा द्य यह योग शिविर जबलपुर डिस्ट्रिक योगासन स्पोर्ट्स एसोशिएशन एवं अनंत योग एकेडमी के द्वारा प्रदान किया जाएगा।इच्छुक महिलाएं कल प्रात: 8 बजे योग गणवेश में पहुंचे ।

श्री दोसर वैश्य शाखा सभा जबलपुर द्वारा रविदास सामूदायिक भवन में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। श्री दोसर वैश्य शाखा सभा जबलपुर द्वारा रविदास सामूदायिक भवन घमापुर जबलपुर में होली मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया गया जिसमें समाज के सभी सामाजिक बंधु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और कार्यक्रम का भरपूर आनन्द लिया कार्यक्रम में बच्चों की करियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया साथ ही विवाह योग्य युवक युवतियों का परिचय सम्मेलन कराया गया इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने फैंसी ड्रेस और डांस में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी प्रतिभा को निखरा। श्री दोसर वैश्य शाखा सभा जबलपुर द्वारा राधा कृष्ण बने बच्चों ने सभी का मन मोह लिया और कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए साथ ही पूरा वातावरण वृंदावनमय हो गया। सभी सामाजिक बांधुओं ने राधा कृष्ण के साथ होली खेली एवं फाग गानों में नृत्य किया । इसके पश्चात समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा मेधावी छात्र-छात्राओं को एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने वाले सभी बच्चों को पुरस्कार वितरण किया गया साथ ही सर्टिफिकेट भी प्रदान किया गया। इसी प्रकार श्री दोसर वैश्य शाखा सभा जबलपुर का होली मिलन कार्यक्रम बहुत ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर थाना माढ़ोताल में सुबह राजकुमार चौकसे उम्र 60 वर्ष निवासी कठौंदा आदि नगर ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह खेती किसाानी करता है वह अपने निर्माणाधीन मकान जिसमें फिटिंग तार, स्ट्राटर, नल, बल्व रखे हुये थे मकान में दरवाजा एवं खिड़की नही लगे हुये है दोनों मकान में गेट लगा हुआ है जो उपरोक्त दोनों मकानों के गेटों का ताला खोला एवं अंदर जाकर देखा मकान में रखे फिटिंग तार, स्ट्राटर, नल एवं बल्व नहीं थे कोई अज्ञात चोर गेट के उपर से कूंदकर चोरी कर ले गया है।

पुलिस ने 6 गांवों से खदेड़े 60 पारधी परिवार, जमीनों पर कब्जा कर रहे थे अवैध कारोबार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित गोसलपुर से लगे आधा दर्जन गांव में जमीनों पर कब्जा कर डेरा डाले पारधियों को परिवार सहित खदेड़ दिया है. ये पारधी परिवारों सहित रहकर अपराधिक गतिविधियों से लेकर अवैध कारोबार कर रहे थे. पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में शराब भी पकड़ी है. पुलिस जब इन्हे हटाने के लिए पहुंची तो अभद्रता करना शुरु कर दिया, इसके बाद भारी पुलिस बल बुलाया गया, तभी इन लोगों में भगदड़ मच गई.

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गोसलपुर से लगे केवलारी, रानीताल , गांधीग्राम, बरनू सहित करीब 6 गांव में अचानक चोरी, मारपीट, लूटपाट सहित राह चलते लोगों के साथ अभद्रता करने की घटनाएं बढने लगी. लगातार हो रही घटनाओं से परेशान होकर लोगों ने पुलिस के आला अधिकारियों से शिकायत की. जिसपर पुलिस अधिकारियों ने भारी बल के साथ इन सभी जगहों पर छापा मारा, जिससे पारधी परिवारों में अफरातफरी व भगदड़ मच गई, इस दौरान गिरोह की महिलाओं ने अभद्रता करते हुए विरोध भी किया. इसके बाद भी पुलिस ने इनके डेरो को हटाते हुए गांव से खदेड़ दिया. ग्रामीणों का कहना था कि करीब 15 दिन पहले एक दो परिवार रानीताल गांव के पास देखे गए थे.

जिन्होने तिरपाल से झोपड़ी बनाई, इसके बाद धीरे धीरे इनकी संख्या बढ़ती गई और देखते ही देखते आसपास के 6 गांव में 60 से अधिक परिवार गांव की जमीनों पर कब्जा कर बस गए. यहां पर पारधियों ने अवैध शराब बनाने का कारोबार शुरु कर दिया. यहां तक कि इनके डेरों के पास से कोई भी गुजरता तो गाली गलौज व मारपीट तक करते रहे. ताकि कोई इनके पास से गुजरे न और अपना काम आसानी से कर सके. पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ये लोग बहुत शातिर होते है, पहले एक -दो परिवार आकर रहते है. इसके बाद जब देखते है कि कोई आपत्ति नही ले रहा है तो अपने साथियों को भी परिवार सहित बुला लेते है. पिछले 15 दिनों में पारधी गिरोह की महिला-पुरुषों ने केवलारी, धमधा, बरनू, गांधीग्राम, रानीताल सहित आसपास के कई गांव के बाहर की जमीन पर कब्जा कर लिया था. कार्रवाई के दौरान पुलिस को पारधियों के पास से बड़ी मात्रा में अवैध शराब भी मिली.

पुलिस अधिकारियों ने पहुंचकर दी थी समझाइश-

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गोसलपुर पुलिस ने अधिकारियों के साथ डेरे पहुंचकर समझाइश दी थी. उस वक्त पुरुष तो भाग गए थे, लेकिन महिला व बच्चे वहीं जमे रहे. जिन्हे समझाइश दी गई थी कि गांव की जमीनों पर इस तरह से कब्जा करना व घर बनाना गलत है. इसके बाद भी पारधी गिरोह की महिलाओं व बच्चों ने डेरे नहीं हटाए . जिसपर देर रात पुलिस बल ने 60 से अधिक परिवारों को खदेड़ दिया, उनके डेरे तक हटा दिए.

फायर आर्म्स सहित आरोपी गिरफ्तार, 1 देशी पिस्टल एवं 1 कारतूस जप्त

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना प्रभारी गोरखपुर श्री नितिन कमल ने बताया कि दिनांक 24-3-25 को क्राईम ब्रांच को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना मिली कि महर्षि स्कूल के खण्डहर भवन में गोरखपुर आजाद चौक निवासी सोनू कोरी सफेद रंग की चौकड़ी शर्ट एवं जींस पेंट पहना है अपने पास देशी पिस्टल रखे है यदि तत्काल कार्यवाही की जावे तो पकड़ा जा सकता है,

सूचना पर तत्काल मुखबिर के बताये स्थान पर दबिश दी जहॉ मुखबिर के बताये हुलिये का युवक खडा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने लगा जिसे घेराबंदी कर पकड़ा, जिसने नाम पता पूछने अपना नाम सोनू कोरी उम्र 25 वर्ष निवासी आजाद चौक गोरखपुर बताया, तलाशी लेने पर कमर में एक देशी पिस्टल खोंसे मिला जिसकी मैग्जीन को चैक करने पर 1 कारतूस लोड होना पाया गया, आरोपी के कब्जे से देशी 1 पिस्टल, 1 कारतूस जप्त करते हुये धारा 25, 27, आर्म्स एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उल्लेखनीय है कि आरोपी सोनू कोरी के विरूद्ध पूर्व से 5 अपराध आर्म्स एक्ट एवं मारपीट के पंजीबद्ध है। उल्लेखनीय भूमिका- आरोपी केा अवैध फायर आर्म्स के साथ रंगे हाथ पकड़ने में थाना प्रभारी अपराध श्री शैलेष मिश्रा के निर्देशन में क्राईम ब्रांच के उप निरीक्षक चंद्रकांत झा, सहायक उप निरीक्षक धनंजय सिंह, प्रशांत सोलंकी, प्रधान आरक्षक अटल जंघेला, वीरेन्द्र सिंह, सत्यसेन, आरक्षक त्रिलोक, राजेश, विनय एवं सायबर सेल के प्रधान आरक्षक अमित पटैल तथा थाना गोरखपुर के सहायक उप निरीक्षक रावेन्द्र तिवारी की सराहनीय भूमिका रही।

मारपीट करने वाले आरोपियों की तलाश

जबलपुर- थाना कुण्डम में रात्रि राजा उर्फरोहित पटैल उम्र 22 वर्ष निवासी ग्राम पिपरिया बघराजी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह मजदूरी करता है लगभग 2 माह पूर्व मजदूरी करने जिला खण्डवा गया थाखण्डवा से जबलपुर आया था तथा बस में बैठकर सिहोरा उतर गया था सिहोरा में उसका दोस्त रोहित कुशवाहा मिला जिसकी मोटर सायकल में पीछे बैठकर ग्राम पिपरिया में नन्हे पटेल की दुकान के पास पहुॅचे शाम लगभग 7-30 बजे नन्हे उर्फ छुट्टू पटैल उसके देखकर अपनी दुकान के सामने आकर पुरानी रंजिश को लेकर उसके साथ गाली गलौज करने लगा,

केंट वायएमसीए चौराहा पर हुई सड़क दुर्घटना में बैंक कर्मचारी महिला की मौत

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर स्थित वायएमसीए चौराहा केंट में आज सुबह 7 बजे के लगभग हुई सड़क दुर्घटना में बैंक कर्मी महिला की मौत हो गई। दुर्घटना की खबर मिलते ही पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंच गए, जिन्होने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है। वहीं पुलिस की एक टीम फरार हुए वाहन की तलाश में जुट गई है पुलिस के अनुसार कंचनपुर अधारताल निवासी महिला मनीषा पटेल उम्र 31 वर्ष सुबह 7 बजे के लगभग घर से गौर स्थित बैंक जाने के लिए निकली। जब वह

वायएमसीए चौराहा से आगे बढ़ रही थी। इस दौरान पीछे से आए भारी वाहन ने टक्कर मार दी। वाहन की टक्कर लगते ही महिला उछलकर सामने की ओर गिरी, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोटें आने के कारण मौके पर ही मौत हो गई। राह चलते लोगों ने देखा तो दौड़कर पहुंच गए, जिनकी सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूछताछ के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मर्ग कायम कर लिया है। पुलिस ने भारी वाहन को पकडने के लिए इस रोड पर लगे सीसीटीवी फुटेज एकत्र किए है, जिसे देखकर वाहन का पता लगाया जा सकेगा।

जिला दण्डाधिकारी के आदेश का उल्लंघन करने वाला आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। थाना गोराबजार अन्तर्गत विशाल गुप्ता पिता स्व. मुन्नालाल गुप्ता उम्र 46 वर्ष निवासी नर्मदा स्वीट्स बिलहरी थाना गोराबजार का एक अपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जिसके विरूद्ध कई अपराध पंजीबद्ध होकर न्यायालय मे विचाराधीन है जिसकी आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु जिला बदर का प्रकरण तैयार कर जिला दण्डाधिकारी जबलपुर को प्रेषित किया गया था जिससे सहमत होते हुये जिला दण्डाधिकारी जबलपुर द्वारा दिनॉक 13-01-2025 को विशाल गुप्ता को 5 माह की अवधि के लिये प्रत्येक माह की 15 एवं 25 तारीख को थाना गोराबजार में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने आदेशित किया गया था, उक्त आदेश की तामीली करा दी गयी थी । आरोपी विशाल गुप्ता द्वारा दिनांक 15-3-25 को थाना गोराबाजार मे अपनी उपस्थिति दर्ज नहीं कराया न ही कोई सूचना दी। जिला बदर के आरोपी विशाल गुप्ता को बिलहरी में घेराबंदी कर पकडा, जिला बदर के आदेश का उल्लंघन करना पाया जाने पर विशाल गुप्ता के विरूद्ध धारा 223 बीएनएस तथा 14 म.प्र.राज्य सुरक्षा अधिनियम के तहत कार्यवाही की गयी।

सड़क दुर्घटना

जबलपुर- थाना सिहोरा में नरसिंग चौबे उम्र 54 वर्ष निवासी ब्राम्हण मोहल्ला सिहोरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि आटो चलाता है व्रत बंध कराने बाबाताल मंदिर सिहोरा में रिश्तेदार सरहज आशा दुबे, सास इमरती बाई दुबे, सास विजय रानी दुबे, साला सौरभ दुबे, भतीजा दीपक दुबे, साला अभिषेक दुबे सभी निवासी ग्राम भखरवारा थाना बहोरीबंद के कार्यक्रम में आये थे

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2024-25/ एम/348/ दिनांक 25.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री अतुल कुमार शर्मा, पिता-स्व. श्री सुशील चंद शर्मा** ने भवन क्रमांक. 1343 **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** प्लाट 2400 व.फु., भूतल 931 व.फु., प्रथमतल 463 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक. 1343 **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** पंजीकृत गृहस्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती इंदिरा चक्रवर्ती, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2024-25/ एम/349/ दिनांक 25.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री शैलेन्द्र चौबे, पिता- श्री रामचंद चौबे एवं श्रीमती लक्ष्मी चौबे, पति- श्री रामचंद चौबे,** ने भवन क्रमांक. 854/ ए.पी. **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** प्लाट 750 व.फु., भूतल 750 व.फु., प्रथमतल 750 व.फु., **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक. 854/ ए.पी. **वार्ड शहीद गुलाब सिंह वार्ड ,** पंजीकृत गृहस्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री भगवती प्रसाद पाण्डे, पिता- स्व. श्री अवध नारायण के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2024-25/ एम/350/ दिनांक 25.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री मनोज मलिक, पिता - स्व. श्री कृष्ण लाल मलिक** ने भवन क्रमांक. 3003/18 **वार्ड दादा बाबूराव परांजपे वार्ड ,** प्लाट 2600 व.फु., भूतल 1220 व.फु., **रजिस्टर्ड दानपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक. 3003/18 **वार्ड दादा बाबूराव परांजपे वार्ड ,** पंजीकृत गृहस्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री मनोज मलिक, पिता स्व. श्री कृष्ण लाल एवं श्रीमती मंजुषा मदान, पिता स्व. श्री कृष्ण लाल, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2024-25/ एम/351/ दिनांक 25.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती भूमिका मुलतानी, पति- श्री राजेश मुलतानी** ने भवन क्रमांक. प्लॉट नं. ए 23 **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** प्लाट 1000 व.फु., भूतल 750 व.फु., प्रथमतल 750 व.फु., **खसरा प्रपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक. प्लॉट नं. ए 23 **वार्ड शंकर शाह नगर वार्ड ,** पंजीकृत गृहस्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्रीमती सीमा धमीजा, पति श्री श्याम सुन्दर धमीजा, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M/E.N.P.No/ - 212

2024-2025 दिनांक 25/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **श्रीमती दुर्गावती शर्मा, पति- श्री शत्रुघन शर्मा,** भवन क्रमांक 2568/5 संपत्ति कर/ पिन नं. 1000431179 जलकर पिन नं. ....., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** -श्री रामनाथ सिंह यादव/ बूटन सिंह, **वार्ड निर्मलचंद जैन वार्ड ,** निर्मित भूतल 205 व.फु. आर.सी.सी., **विक्रयपत्र, लिंक प्रपत्रों,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-7,अधारताल
नगर निगम जबलपुर

नगर पालिक निगम, जबलपुर जोन क्र.-07 अधारताल जबलपुर म.प्र.

क्र./सं.अधि./07/M/E.N.P.No/ - 211

2024-2025 दिनांक 25/03/2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि क्रेता **1. श्री सलीमुद्दीन/ मोहिउद्दीन, 2. श्री कपिल सेन/रामकुमार सेन, 3. श्रीमती निशा/ रंजीत, 4. शबाना बानो,** भवन क्रमांक 4000 संपत्ति कर/ पिन नं. 100066663 जलकर पिन नं. ....., पर **विक्रेतागण/ पंजीकृत गृहस्वामी** - श्रीमती लक्ष्मी बाई बर्मन (विक्रेता श्रीमती मीना नागोत्रा, पति श्री छोटू नागोत्रा) **वार्ड शहीद अ.हमीद वार्ड ,** विक्रय प्लाट रकबा 2400 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक पर दर्ज प्रविष्टि के स्थान/ क्रय भाग पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया गया है, जिस किसी को उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन तिथि से 15 दिन के अंदर **संभागीय कार्यालय क्रमांक 07** में प्रमाण एवं दस्तावेजों के साथ आपत्ति प्रस्तुत करें।

कार्यालय संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-7,अधारताल
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-03 रामपुर (शक्ति भवन रोड) नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अ./03/2024-25/ एम/352/ दिनांक 25.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती सुनिता गुप्ता, पति- श्री खेमचंद गुप्ता** ने भवन क्रमांक. 1912/3 **वार्ड गिरिराज किशोर कपूर वार्ड ,** भूतल 700 व.फु., **खसरा प्रपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त भवन क्रमांक. 1912/3 **वार्ड गिरिराज किशोर कपूर वार्ड ,** पंजीकृत गृहस्वामी कम्प्यूटर प्रविष्टि अनुसार- श्री रविशंकर गुप्ता, पिता स्व.श्री गया प्रसाद गुप्ता, के स्थान पर नामांतरण हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। जिस किसी को उक्त प्रस्तुत नामांतरण पर आपत्ति हो तो इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर संभागीय कार्यालय **संभाग क्रमांक-03 शक्ति भवन रोड, रामपुर** नगर निगम जबलपुर में प्रमाण दस्तावेजो सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रं-03 रामपुर
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/319 जबलपुर दिनांक 20.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्रीमती मनीषा कुर्मी, पति- श्री नरेन्द्र कुमार कुर्मी** ने मकान नं. प्लाट नं. 21 **वार्ड पं दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. 1000352814, क्षेत्रफल 900 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/318 जबलपुर दिनांक 20.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री नरेन्द्र कुमार कुर्मी, पिता-श्री नर्मदा प्रसाद कुर्मी** ने मकान नं. डुप्लेक्स नं. 20 **वार्ड पं दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. 1002149508, क्षेत्रफल 900 व.फु., भूतल 692 व.फु., प्रथमतल 692 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-6,नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि/06/2024-25/ एम/317 जबलपुर दिनांक 20.03.2025

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि **श्री नरेन्द्र कुमार कुर्मी, पिता-श्री नर्मदा प्रसाद कुर्मी** ने मकान नं. प्लाट नं. 19 **वार्ड पं दीनदयाल उपाध्याय** पिन नं. 1000353460, क्षेत्रफल 900 व.फु., **विक्रयपत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक-6 दमोहनाका** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-6
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 455 दिनांक 25.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री कल्लू कुशवाहा, पिता- स्व. श्री रामदास कुशवाहा** ने मकान नं..... सम्पत्ति पिन नं. 1003935099 **वार्ड कमला नेहरू वार्ड ,** भूतल 778 व.फु., **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र, वसीयतनामा** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 452 दिनांक 25.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री शंकर लाल साहू, पिता-स्व. श्री नोखे लाल साहू** ने मकान नं. 265/ पी- 8 सम्पत्ति पिन नं. 1000604108 **वार्ड विवेकानंद- 21 वार्ड ,** क्षेत्रफल 1250 व.फु., भूतल 1000 व.फु., प्रथमतल 1000 व.फु. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 453 दिनांक 25.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्रीमती जया वासवानी, पति- श्री परमानंद वासवानी** ने मकान नं. प्लाट नं. 146 सम्पत्ति पिन नं. 1002150598 का भाग **वार्ड कमला नेहरू वार्ड ,** क्षेत्रफल 800 व.फु. , **विक्रयपत्र** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-2,कछपुरा नगर निगम जबलपुर

पत्रांक-स.अधि./04/कछपुरा 2024 / एम./ Q 454 दिनांक 25.03.2025

भवन नाम परिवर्तन सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है,कि **श्री मोहन लाल कोष्टा, पिता- स्व. श्री दुलीचंद कोष्टा** ने मकान नं. 162 सम्पत्ति पिन नं. 1000527989 **वार्ड वीरेन्द्रपुरी वार्ड ,** भूतल 950 व.फु. , **शपथपत्र, मृत्यु प्रमाण पत्र,** के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं.पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय **संभाग क्रमांक -2 कछपुरा** में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग-2 कछपुरा
नगर निगम जबलपुर

स्वात्ताधिकारी मुद्रक प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से श्री बालाजी प्रिटंर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा मकान नंबर 358 साठियां कुंआ जबलपुर से प्रकाशित। ब्यूरो प्रमुख श्री विलक्षण सक्सेना, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जबलपुर रहेगा। मो.नं. 9300696096, भोपाल 9425025999